हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 2 नवंबर 2025

12 हरियाणा दिवस पर सांस्कृतिक उत्सव में छात्राओं...

12 जलभराव से नुकसान की भरपाई करेंगी सरकार

CHINAR FABRICS
Chinar Mill Showroom
चिनार मील शोरूम
नजदीक बासिया भवन, हांसी रोड, भिवानी M.: 70567-95900
महाबचत छूट
1 जैकेट 1599/- 799/- only
1 ब्लेजर 3599/- 1499/-only
3 पीस सूट 5999/- 2999/-only

खबर संक्षेप

5 हजार का ईनामी किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार द्वारा जिला पुलिस को जिले के विभिन्न थानों में दर्ज अभियोग में फरार चल रहे उदघोषित आरोपियों को विशेष अभियान चलाकर जल्द गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाने के निर्देश दिए हुए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत कार्रवाई करते हुए डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू ने एनडीपीएस के मामले में 5000 रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

मांगों को लेकर इनेलो का प्रदर्शन कल

भिवानी। किसान व आमजन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान के खिलाफ इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला व प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा के निर्देशानुसार 3 नवंबर को प्रदेश के सभी 22 जिलों में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपें जाएंगे। इसी कड़ी में भिवानी में भी 3 नवंबर को जिला स्तरीय प्रदर्शन पूर्व विधायक एवं प्रदर्शन के जिला प्रभारी ओमप्रकाश गौरा के नेतृत्व, इनेलो जिलाध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु व किसान सैल के जिलाध्यक्ष अजीत बागड़ी बड़ेसरा की अध्यक्षता में किया जाएगा।

गुरु नानकदेव का प्रकाशोत्सव पर तीन को

भिवानी। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में नगर कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। प्रकाश पर्व पर होने वाले कार्यक्रम कीजानकारी देते हुए गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रधान सरदार इन्द्रमोहन ने बताया कि 3 नवम्बर सोमवार को दोपहर 12:15 बजे गुरुद्वारा सिंह सभा घंटाघर से भव्य नगर कीर्तन की शुरुआत की जाएगी।
ये शोभायात्रा कृष्णा कॉलोनी, दिनोद गेट, जोगीवाला शिव मंदिर, पुरानी देवसर चुंगी, पुरानी अनाज मंडी, जैन चौक, किरोडीमल मंदिर, सराय चौपटा होते हुए गुरुद्वारा साहिब पहुंचेगा।

हेरोइन बरामदगी का दूसरा आरोपी काबू

चरखी दादरी। चरखी दादरी पुलिस के सीआईए स्टाफ ने ढाणी फौगाट निवासी युवक को 12.10 ग्राम हेरोइन बरामदगी मामले में सहआरोपी के गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि वीरवार को सीआईए स्टाफ दादरी पुलिस टीम ने राजीव उर्फ राजू निवासी ढाणी फौगाट नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान आरोपी राजीव ने पुलिस को बताया कि उसने यह हेरोइन गुलशन उर्फ गुल्लक निवासी मानकावास से खरीदी थी।

डॉ. देवेंद्र ने फसल कटाई प्रयोगों का किया निरीक्षण

भिवानी। जिले में खरीफ 2025 में फसल कटाई प्रयोगो का कार्य के चलते कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पंचकूला से अर्थशास्त्री डॉ. देवेंद्र श्योराण ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गाव रामपुरा व खेड़ां गावों में खेतों में जाकर फसल कटाई प्रयोगों का निरीक्षण किया और उसके बाद मौके पर ही धान फसल की थ्रेशिंग करवा कर औसत पैदावार का आंकलन किया। कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इन्हीं आंकड़ों पर राज्य और देश का अनाज का आयात और निर्यात निर्भर करता है।

विधायक सर्राफ और नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी ने नारियल फोड़कर किया शुभारंभ

विकास को पंख! 30 लाख रुपये की लागत से सुधरेगी महताब दास ढ़ाणी की गली की सेहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शनिवार को नगर परिषद ने शहर की महताब दास ढ़ाणी के लोगों को 30 लाख रुपये की सौगात दी। विधायक घनश्यामदास सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर हालुवास गेट स्थित महताब दास ढ़ाणी गली का 30 लाख रूपये की लागत से बनने का निर्माण कार्य शुरू करवाया। गली के निर्माण कार्य शुरू होने पर मिठाई बांटकर लोगों का मुंह मीठा करवाया। इस अवसर पर बिल्लू बादशाह, अनिल मास्टर, मनोज खनगवाल, मोनू बादशाह , तेजू सिंह व नंदी सोनी आदि मौजूद रहे।

भिवानी। नारियल फोड़कर महताबदास ढाणी की गली का शुभारंभ करते विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

काफी दिनों से खराब थी गली

बता दें कि उक्त गली की कई दिनों से हालत खराब थी तथा नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब उक्त गली का निर्माण कार्य होने के बाद लोगों को सहुलियत होगी और शहर की स्वच्छता को पंख लगेंगे। विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने बताया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी नहीं है, अब से पहले भी सरकार ने विकास कार्यों के लिए खजाने का मुंह खोला, अब भी सार्वजनिक कार्यों के लिए सरकार दिल खोलकर बजट जारी कर रही है। सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करवा रही है। खासकर भिवानी के साथ मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी का विशेष लगाव है, वे भिवानी का प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों का बजट जारी करवा रहे है और मुख्यमंत्री नायाब सैनी की बदौलत ही भिवानी का चहुंमुखी विकास हुआ है। वहीं नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर की किसी भी गली को कच्चा नहीं रहने दिया जाएगा, अभी तक करीब साढे तीन सौ से ज्यादा गलियों को पक्का करवाया जा चुका है। अगर किसी इलाके में कोई गली कच्ची है तो उन्हें सूचना दें, वे उस गली का तत्काल एस्टीमेट बनवाकर पक्का करवाएंगे, किसी भी इलाके की कच्ची गली नहीं रहने दी जाएगी और विकास कार्यों में कोई ढिलाई नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार हर इलाके का चहुंमुखी विकास करवा रही है। सरकार विकास कार्यों के लिए दिल खोलकर बजट जारी कर रही है।

नुक्कड़ नाटक से दिया नशामुक्ति का संदेश

लोहारू। ढाणी गंगा बिशन के राजकीय प्राथमिक पाठशाला ढाणी के विद्यार्थियों ने गांव में नुक्कड़ नाटक का मंचन करके उपस्थित ग्रामीणों तथा विद्यार्थियों को नशा मुक्ति का संदेश दिया। शिक्षक लीलाराम वर्मा ने बताया कि उनके विद्यालय के विद्यार्थियों साक्षी, हर्ष गावडिया, किंशु ,दीपांशु, निखिल, लवीना, योगिता, इशिका आदि उनके निर्देशन में नुक्कड़ नाटक के मंचन द्वारा समाज में व्याप्त तंबाकू, सिगरेट, शराब,जर्दा,पान व धूम्रपान आदि के सेवन द्वारा होने वाली बीमारियों एवं स्वास्थ्य नुकसान के बारे में संदेश दिया तथा खूब तालियां बटोरी। शिक्षक लीलाराम वर्मा ने स्कूल विद्यार्थियों के साथ गांव की गलियों में नशामुक्ति आधारित रैली निकाली।

रेलवे अधिग्रहण से आवासीय कॉलोनी पर खतरा, दोबारा सर्वे की मांग

रेलवे अधिग्रहण के खिलाफ शंकर गिरी कॉलोनी में रोष

शंकरगिरी कॉलोनी का अधिग्रहण हुआ तो सैंकड़ों परिवार हो जाएंगे बेघर: कॉलोनीवासी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी में रेलवे विभाग द्वारा किए जा रहे भूमि अधिग्रहण को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। हालुवास गेट रेलवे फाटक के नजदीक स्थित शंकर गिरी कॉलोनी के निवासियों ने रेलवे की अधिग्रहण प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी दशकों पुरानी आवासीय कॉलोनी को जबरन रेलवे लाइन दोहरीकरण परियोजना के नाम पर अधिग्रहित किया जा रहा है, जबकि इसके पास ही पर्याप्त खाली जमीन उपलब्ध है। रेलवे विभाग द्वारा किए जा रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ शनिवार को शंकर गिरी कॉलोनी के निवासियों ने भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ को मांगपत्र सौंपा और दोबारा से सर्वे करवाने की मांग की हैं।

इस अधिग्रहण की प्रक्रिया ने कॉलोनीवासियों को परेशानी में डाल दिया हैं। उनका कहना हैं कि अगर ये अधिग्रहण हुआ तो उन्हें अपनी छत गंवानी पड़ेगी और वे रातों रात बेघर हो जाएंगे। क्षेत्रवासी सुरेश शर्मा, अधिवक्ता पवन गौतम, संदीप सिंघल, सचिन शर्मा, अन्नु सोनी, अभिषेक मित्तल, सुमित दहिया, शुभम, बाबूलाल सोनी, बिजेंद्र, सुमित, सतबीर जांगड़ा, हरिओम सहित अनेक लोगों ने सांसद व विधायक को ज्ञापन सौंपा। सांसद व विधायक को मांगपत्र सौंपते हुए कॉलोनीवासियों ने कहा कि रेलवे विभाग ने 13 अप्रैल को एक गजट नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसके अनुसार खसरा नंबर 145 व 146 को नहरी भूमि के रूप में दिखाकर अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की। यह नोटिफिकेशन नहरी भूमि को दर्शा रहा था। इसके बाद 15 अक्तूबर को दोबारा गजट नोटिफिकेशन प्रकाशित किया, जिसमें पहली अधिसूचना के अलावा कॉलोनीवासियों के नाम भी प्रकाशित किए गए। क्षेत्रवासियों ने कहा कि जमीन को नहरी बताकर अधिग्रहण शुरू किया है, वह असल में पूरी तरह से विकसित आवासीय क्षेत्र है, जिसकारण कॉलोनीवासी बेघर होने की कगार पर हैं। उनके पास घरों की रजिस्ट्री, इंतकाल, पीआईआईडी, नक्शा, बिजली-पानी के बिल सहित सभी आवश्यक दस्तावेज हैं। कॉलोनीवासियों का दावा हैं कि कॉलोनी अप्रूव्ड और वैध हैं, यही नहीं अधिकतर घरों पर बैंक लोन है और अगर कॉलोनी अप्रूव्ड नहीं होती तो बैंक लोन नहीं देता।

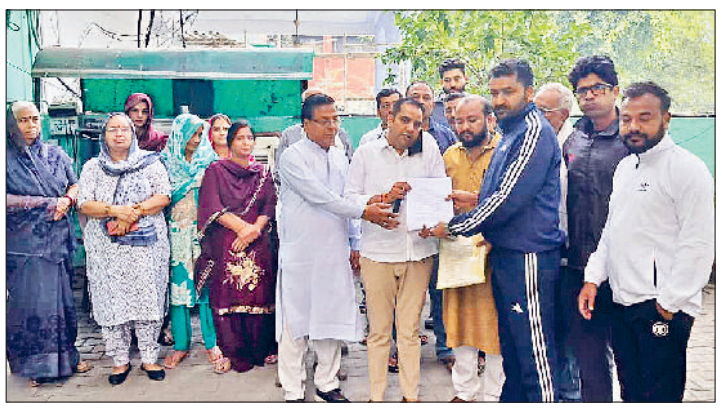

भिवानी। सांसद धर्मबीर सिंह के प्रतिनिधि पंकज को ज्ञापन सौंपते शंकर गिरी कॉलोनीवासी व विधायक घनश्यामदास सर्राफ को ज्ञापन सौंपते शंकर गिरी कॉलोनीवासी।

» *रेलवे की अधिग्रहण प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए*

» *सांसद व विधायक को ज्ञापन सौंपकर बताई परेशानी*

जनप्रतिनिधि तुरंत संज्ञान लें तो बच सकती हैं आवासीय कॉलोनी

क्षेत्रवासियों ने कहा कि वर्तमान रेलवे लाइन से अधिग्रहण किया जा रहा क्षेत्र 45 फीट पर स्थित पिल्लर से शुरू होता है और इसमें 27.5 फीट जमीन शामिल है। उन्होंने कहा कि रेलवे लाइन के दक्षिण-पश्चिम दिशा में जमीन पूरी तरह से खाली पड़ी है। रेलवे इस खाली जमीन का अधिग्रहण करें तो प्राचीन बाबा जहरगिरी मंदिर, लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल, चौधरी बंसीलाल पार्क और पूरी आवासीय कॉलोनी को बचाया जा सकता है। कॉलोनीवासियों ने जनप्रतिनिधि से तुरंत इस विषय में संज्ञान लेने और जल्द दोबारा सर्वे की कार्रवाई अमल में लाने की प्रार्थना की, ताकि उनकी आवासीय कॉलोनी को बचाया जा सके।

जीतूवाला ओवरब्रिज के रूप में मिला हरियाणा दिवस का तोहफा: रामशरण

भिवानी। रेलवे ओवरब्रिज के टॉप सेक्शन पर हरियाणा दिवस पर केक काटते विभिन्न संगठनों के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

- जीतूवाला ओवरब्रिज चालू होने से 15 गांवों सहित 60 हजार लोगों मिलेगी सुविधा : पार्षद शिवकुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रेल अंडरपास महापंचायत, सुधार समिति एवं आरडब्ल्यूए के संयुक्त तत्वावधान में लाइनपार क्षेत्रवासियों ने शनिवार को नवनिर्मित जीतूवाला ओवरब्रिज के टॉप सेक्शन पर एकत्रित होकर हरियाणा प्रदेश का 59वां स्थापना दिवस केक काटकर और लडडू बांटकर मनाया। महापंचायत संरक्षक रोहतास वर्मा ने बताया कि रेल अंडरपास महापंचायत का कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा हो गया है तथा नई कार्यकारिणी का चयन 4 नवंबर को सुबह 10 बजे 27 फुटा रोड राजेश ग्रेवाल के कार्यालय में किया जाएगा। महापंचायत के संस्थापक प्रधान कैप्टन राजेन्द्र सिंह जांगड़ा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में संरक्षक रोहतास वर्मा, महासचिव रामसिंह वैद्य, शिवकुमार गोठवाल पार्षद, अनिल कुमार पार्षद प्रतिनिधि, आरडब्ल्यूए के संरक्षक दलबीर उमरा, सुधार समिति के प्रधान ठाकुर कृष्ण सिंह परमार, श्याम बाग सभा के प्रधान राधाकृष्ण चावला, रामअवतार जोगी, मोदी विचार मंच के मनीष बंसल आदि मौजूद रहे। महापंचायत सलाहकार रामशरण ठेकेदार ने कहा कि हरियाणा दिवस पर भिवानीवासियों को हरियाणा की नायब सरकार ने जीतूवाला ओवरब्रिज के रूप बहुत बड़ा नायाब तोहफा दिया है।

ओवरब्रिज पर ट्रैफिक का आवागमन शुरू

उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को गत पांच साल से बहुत कठिनाई झेलनी पड़ रही थी, लेकिन अब तोशाम विधानसभा क्षेत्र 15 गांवों सहित अब 60 हजार की आबादी को आने जाने की अच्छी सुविधा उपलब्ध हो गई है। पुल पर वाहनों का आवागमन शुरू हो गया हैं। पुल पर लाइटें लगाने, सर्विस रोड बनाने, रंग रोगन करने, बरसाती पानी के पाइप लगाने, जीतूवाला छोर पर सड़क बनाने, स्पीड ब्रेकर बनाने का कार्य बकाया है। इस मौके पर ओमपाल सिंह चौहान, रमेश वर्मा भानगढ़, सुखबीर सिंह चौहान, रामपाल सिंह तंवर, पप्पू राजपूत, राजेन्द्र प्रसाद प्रजापति, हनुमान प्लंबर आदि रहे।

भिवानी। नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन पीड़ित ऑटो चालक तथा उसका हालचाल जानने पहुंचे जनसंघर्ष समिति के संयोजक कामरेड ओमप्रकाश।

ऑटो चालक पर हमला करने के दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होने से देवसर गांव में भारी रोष

भिवानी। गांव देवसर में ऑटो-रिक्शा चालक नवीन के साथ तीन असामाजिक तत्वों द्वारा निर्ममता से मारपीट व लूटपाट का मामला सामने आया है। कथित तौर पर डंडों से की गई पिटाई में नवीन को गंभीर चोटें आई हैं और उसे चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया। वारदात में बदमाशों ने नवीन से एक लाख रुपये नकद और उसका महंगा मोबाइल फोन छीन लिया। घटना को 30 अक्टूबर की शाम अंजाम दिया था, लेकिन दो दिन बाद भी दोषियों की गिरफ्तारी न होने से ग्रामीणों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ भारी रोष है। जानकारी अनुसार घायल युवक नवीन देवसर गांव में ई-रिक्शा चलाता है। 30 अक्टूबर को वह भिवानी आ रहा था। गांव के ही एक व्यक्ति ने उसे भिवानी मंडी में किसी व्यक्ति को देने के लिए एक लाख की राशि सौंपी थी। ऐसा संदेह है कि इस पैसे की भनक गांव के ही कुछ असामाजिक तत्वों को लग गई। सांयकाल 3 बजे से 4:30 बजे के बीच जब नवीन लोहारू रोड पर देवसर से पहले गंदे नाले के पास पहुंचा, तो बाइक पर सवार गांव के ही तीन असामाजिक तत्वों ने उसे रोका। अपराधियों ने नवीन पर डंडों से निर्ममता से हमला किया, जिसमें उसके हाथ की उंगली और पैर में गंभीर चोटें आईं।

भक्ति मार्ग सेवा की नींव पर टिकी भक्ति ही सर्वोत्तम भक्ति, सच्चे मन से की सेवा ही भक्ति की शक्ति

सत्संग आडंबरो एवं पाखंडों से पीछा छूटाता,सत्संग सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की कामना: परमसंत

सेवा मनुष्य के मन को विकारी और भिखारी बनने से रोकती: कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सेवा की नींव पर टिकी भक्ति ही सर्वोत्म भक्ति होती है, सेवा निःस्वार्थ भाव से की गई है तो ये सोने पर सुहागा है। सेवा हमारे मन को विकारी और भिखारी बनने से रोकती है।

बिना सेवा रूपी सीढी के भक्ति हासिल नहीं की जा सकती। सेवा ही आपके हृदय में गुरु के प्रति प्रीत प्रतीत और प्रेम उपजाति है, ये सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने गुरु नानक जयंती पर दो नवंबर को होने वाले सत्संग की तैयारियों में जुटे सेवादारों को सत्संग एवं दर्शन देते हुए फरमाए। हुजूर महाराज ने उपस्थित संगत को हरियाणा दिवस की भी बधाई दी। गुरु महाराज ने फरमाया की सत्संग जितना ज्यादा फैलेगा उतनी ही समाज में जागृति आएगी। सत्संग आडंबरो एवं पाखंडों से पीछा छूटाता है, क्यूंकि सत्संग परमात्मा से गुहार है और परमात्मा सबकी सुनता है।

भिवानी। रोहतक रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन में संगत को प्रवचन देते परमसंत कंवर साहेब महाराज। *फोटो : हरिभूमि*

सत्संग सेवा भक्ति की नींव पर टीका

परमसंत ने फरमाया कि सत्संग सर्वजन हिताये सर्वजन सुखाये की कामना है, क्यूंकि सत्संग सेवा भक्ति की नींव पर टीका है। उन्होंने कहा कि सेवा भक्ति सर्वोत्म भक्ति होती है क्यूंकि सेवा निःस्वार्थ होती है, जहां स्वार्थ नहीं होता, वहां अभिमान भी नहीं होता। संगत की सेवा सतगुरु की सेवा है और सतगुरु की सेवा परमात्मा की सेवा है। गुरु और परमात्मा में कोई अंतर नहीं होता सतगुरु की रजा परमात्मा की रजा है। गुरु महाराज ने कहा कि आपने अच्छे कर्म किए इसलिए आपको इंसानी चौला मिला और अब भी आप अच्छे कर्म कर रहें हैं तो आपको परमात्मा के चरणों में स्थान मिलना भी तय है और मुक्ति भी तय है। उन्होंने कहा कि परमात्मा इतना दयालु है कि जो उनको खीज में भी याद करता है वो उसका भी कल्याण करते हैं। परमात्मा का नाम तो भूमि में गिरे उस बीज के समान है जो चाहे औंधा गिरा हो या सीधा वह अंकुरित होता ही है, ऐसे ही प्रभु का नाम चाहे प्यार से ले लो चाहे किसी और भाव से वो आपका कल्याण ही करेगा। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि हमें हर पल डर कर रहना चाहिए क्यूंकि क्या पता कौन सा पल आखरी पल हो, किसी को कटु वचन मत बोलो क्यूंकि बड़े से बड़ा घाव भर जाएगा, लेकिन वचन से मिला घाव कभी नहीं भरता, बोलो तो हृदय के तराजू पर तोल कर बोल बोलो।

स्मॉल कैप फंड्स ने 26 फीसदी तक दिया रिटर्न

भर दी निवेशकों की झोली

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स हमेशा से हाई रिटर्न के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि इनके रिटर्न पर बाजार से जुड़े उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में पॉजिटिव रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी अधिक रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर जिन 13 स्मॉल कैप फंड्स के पिछले 10 साल के आंकड़े मौजूद हैं, उनमें से किसी के भी डायरेक्ट प्लान का सालाना रिटर्न (सीएजीआर) 14% से कम नहीं है। यही नहीं, इनमें से टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने लंपसम निवेश पर पिछले 10 साल में 19 से 21% फीसदी तक एनुअल रिटर्न दिया है।

- एसबीआई, एचडीएफसी समेत कई फंड्स का बेहतरीन प्रदर्शन
- 5 स्मॉल कैप फंड्स ने 7 गुना तक कर दी लंपसम की रकम
- 10 साल में एसआईपी पर 19 से 26 फीसदी तक रिटर्न दिया
- 1 लाख के लंपसम से 7 लाख तक का फंड तैयार हुआ
- इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी बेहतर तरीका

एसआईपी पर भी ऊंचा रिटर्न

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में लंपसम के साथ ही साथ सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी 19% से लेकर 26% तक एनुअलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। इस शानदार रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 10 साल में 7 लाख रुपये तक बना दिया है, जबकि 10 हजार रुपये की एसआईपी से 10 साल में 47.5 लाख रुपये तक का फंड जमा हुआ है।

ये टॉप 5 स्कीम

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम्स शामिल हैं।

लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट क्यों है बेहतर

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के पिछले आंकड़ों के तमाम विश्लेषण यही बताते हैं कि इनमें लंबी अवधि के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।हाल ही में आई ऐसी ही एक रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स का 10 साल की एसआईपी का मंथली रोलिंग रिटर्न (एक्सआरआरआर) 99% समय पॉजिटिव रहा है। यानी अगर इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी उसका बेहतर तरीका है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 21.51 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 7,01,649 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.96 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 42,63,065 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64 %

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 20.42 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,41,189 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.99 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 47,56,696 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.71 %

एक्सिस स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.91 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,14,545 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.01 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,35,386 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.57%

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.54 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,95,844 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,17,373 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.68%

एसबीआई स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,90,878 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 20.13%%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 34,65,264 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.76%

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट

ऊपर दी गई सभी स्कीम समेत तमाम स्मॉल कैप फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक रिस्क की रेटिंग दी जाती है। अलग-अलग मार्केट कैप पर आधारित म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप को मिड कैप और लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा रिस्की माना जाता है। यानी स्मॉल कैप फंड हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में आते हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए इनमें निवेश के बारे में कोई फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।

क्या है स्मॉल कैप फंड्स

स्मॉल कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। इन कंपनियों की मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होती है, लेकिन इनमें उच्च विकास क्षमता होती है। स्मॉल कैप फंड्स की विशेषताएं

1. **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे इनके शेयरों की कीमतें बढ़ सकती हैं।
2. **जोखिम:** स्मॉल कैप फंड्स में जोखिम अधिक होता है, क्योंकि छोटी कंपनियों की वित्तीय स्थिति अस्थिर हो सकती है।
3. **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स में निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
4. **लंबी अवधि के लिए निवेश:** स्मॉल कैप फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए, ताकि आप बाजार की अस्थिरता को सहन कर सकें।

स्मॉल कैप फंड्स के लाभ

1. **उच्च रिटर्न:** स्मॉल कैप फंड्स उच्च रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:**निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
3. **नई कंपनियों में निवेश:** आपको नई व तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश का अवसर मिलता है।

एसआईपी का दमदार प्रदर्शन

5 म्यूचुअल फंड ने दिया 20% से ज्यादा रिटर्न

279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 ने पॉजिटिव रिटर्न दिया

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के कमाया बढ़िया मुनाफा

बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली से लेकर अब तक 279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी इनमें निवेश करने वाले निवेशकों को मुनाफा हुआ। वहीं, सिर्फ तीन फंड्स ऐसे रहे जिन्होंने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया। सबसे खास बात यह है कि 10 ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं जिन्होंने एसआईपी यानी एक तय रकम हर महीने निवेश करने वालों को 20% से भी ज्यादा का सालाना रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर अब तक एक साल में कई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंडों के बारे में जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकते हैं।

ग्रो मल्टीकैप फंड

इस लिस्ट में सबसे ऊपर ग्रो मल्टीकैप फंड का नाम है। इसने एसआईपी निवेश पर सबसे ज्यादा करीब 26% रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आपने इस फंड में हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो पिछली दिवाली से अब तक आपके निवेश की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये हो जाती। यानी आपके लगाए हुए पैसों से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड ने भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। इसने इसी अवधि में 24.69% का शानदार दिया। मिडकैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं जिनका मार्केट कैप मीडियम होता है यानी वे बहुत बड़ी भी नहीं होतीं और बहुत छोटी भी नहीं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के प्रकार

- **लार्ज कैप फंड्स :** ये फंड्स बड़ी मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मिड कैप फंड्स :** ये फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **स्मॉल कैप फंड्स :** ये फंड्स छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मल्टीकैप फंड्स :** ये फंड्स विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **फोकस्ड फंड्स :** ये फंड्स सीमित संख्या में शेयरों में निवेश करते हैं।
- **सेक्टोरल फंड्स :** ये फंड्स विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लाभ

- **विविधीकरण :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
- **पेशेवर प्रबंधन :** फंड मैनेजर द्वारा प्रबंधन किया जाता है, जो निवेश के निर्णय लेते हैं।
- **लिक्विडिटी :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश आसानी से निकाला जा सकता है।
- **कर लाभ :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर कर लाभ उपलब्ध हो सकता है।

निवेश से पहले विचार करने योग्य बातें

- **जोखिम सहनशक्ति :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में जोखिम होता है, इसलिए निवेश से पहले अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें।
- **निवेश अवधि :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए।
- **विविधीकरण :** अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के फंड्स में निवेश करें।

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड और आईसीआईसीआई प्रू फ्लेक्सीकैप फंड ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया। इन्होंने क्रमश 23.82% और 23.22% का एक्सआईआरआर दिया। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह होती है कि फंड मैनेजर किसी भी साइज की कंपनी में निवेश करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, चाहे वह लार्ज-कैप हो, मिड-कैप हो या स्मॉल-कैप।

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने 22.33% का एक्सआईआरआर दिया। इस फंड में अगर किसी ने हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो आज उसके निवेश की कीमत लगभग 1.33 लाख रुपये हो जाती। यह दिखाता है कि एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में कैसे अच्छी खासी रकम जमा की जा सकती है।

कोटक फोकस्ड फंड

कोटक फोकस्ड फंड ने भी 22.06% का एक्सआईआरआर दर्ज किया। फोकस्ड फंड्स में फंड मैनेजर कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में ही निवेश करते हैं, जिससे उनका फोकस बना रहता है। इनके अलावा मीरा एसेट मिडकैप फंड ने 20.55% का एक्सआईआरआर दिया। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के दो फंड्स ने भी 20% के आंकड़े को पार किया।

निवेश की ऐसे प्लानिंग करेंगे तो भविष्य में कभी नहीं होगी पैसों की टेंशन

उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, 20 में रिस्क 30 में बैलेंस और 40 साल में ग्रोथ जरूरी

उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है

20 साल की उम्र रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती

30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या अपनी निवेश यात्रा करना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य, परिवार, इनकम और बच्चों की की स्थित को देखकर ही निवेश यात्रा शुरू करें। बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश करेंगे तो भविष्य में आसानी होगी और आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। कहते हैं उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है। 20 साल की उम्र में जहां रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती है, वहीं 30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है। अगर आप उम्र के हिसाब से सही फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं, तो न सिर्फ रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से भी दूर रह सकते हैं। आज के वक्त में फाइनेंशियल सिक्योरिटी सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक आदत बननी चाहिए। ताकि आर्थिक रूप से परेशान न हों और भविष्य हर तरह से बढ़िया रहे। हम सब मेहनत तो करते हैं, लेकिन कमाई का सही इस्तेमाल तभी होता है जब उसके पीछे एक सटीक फाइनेंशियल प्लान हो। बहुत से लोग कहते हैं कि पैसे बचाने की शुरुआत बाद में करेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना मजबूत होगा आपका फ्यूचर हर दशक अपने साथ नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आता है। 20 साल की उम्र में में जहां रिस्क लेने का समय होता है, वहीं 30 साल की उम्र में में जिम्मेदारियों और इन्वेस्टमेंट में बैलेंस बनाना जरूरी होता है। साल की उम्र में आते-आते सेफ्टी और ग्रोथ पर फोकस करना समझदारी बन जाती है। अगर आप उम्र के हिसाब से फाइनेंशियल फैसले लेते हैं, तो न सिर्फ एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से आजादी भी पा सकते हैं।

बजट बनाना सीखें

अपनी कमाई और खर्च का हिसाब रखें। 80/20 का नियम अपनाएं यानी 80% खर्च और 20% बचत या निवेश। इससे आपको अपने पैसों का फ्लो समझ आएगा और आप बेवजह खर्चों को कंट्रोल कर पाएंगे।

इमरजेंसी फंड बनाएं

हर महीने के खर्च का 3 से 6 महीने तक का फंड अलग रखें। जैसे अगर आपका खर्च 25,000 रुपये महीना है, तो कम से कम 75,000-1,50,000 रुपये का इमरजेंसी फंड जरूर होना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी के समय यह काम आ सके और आपको किसी के मुह की ओर न देखना पड़े।

इंश्योरेंस लेना न भूलें

कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस दोनों लें, ताकि मेडिकल और लाइफ रिस्क से सुरक्षा बनी रहे। कोई भी परेशानी आने पर परिवार पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

जल्दी निवेश शुरू करें

कम्पाउंडिंग की ताकत का फायदा तभी मिलता है जब शुरुआत जल्दी की जाए। एसआई और पीपीएफ जैसी स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश सुरक्षित है और महंगाई को मात देना वा रिटर्न भी मिलता है।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

30 साल की उम्र जिम्मेदारियों व निवेश में बैलेंस का समय

इस दशक में शादी, बच्चों की पढ़ाई और घर की प्लानिंग जैसी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में बैलेंस बनाना जरूरी हो जाता है।

फाइनेंशियल गोल्स अपडेट करें

बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों को री-इवैल्यूएट करें। हर 2 साल में अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें।

एसआईपी बढ़ाते रहें

सैलरी बढ़ने के साथ हर साल अपनी एसआईपीमें 10-15% इजाफा करें. कोशिश करें कि इनकम का 30-40% निवेश में लगाएं।

एसेट एलोकेशन पर ध्यान दें

40% इक्विटी, 40% डेट और 20% गोल्ड या पीपीएफ जैसे सुरक्षित निवेश रखें। इससे रिस्क और रिटर्न में सही संतुलन बना रहेगा।

एनपीएस में निवेश करें

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) टैक्स छूट देता है और रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार करता है।

कर्ज चुकाने की योजना बनाएं

अगर कोई लोन है, खासकर हाई इंटरेस्ट वाला, तो उसे पहले खत्म करें। ईएमआई के बोझ को घटाना फाइनेंशियल फ्रीडम की दिशा में बड़ा कदम है।

40 साल की उम्रः ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करने का दशक

अब आपकी कमाई चरम पर होती है, लेकिन रिटायरमेंट भी ज्यादा दूर नहीं होता। इसलिए रिस्क घटाकर ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करें।

रिटायरमेंट फंड का आकलन करें

महंगाई को ध्यान में रखते हुए अपने सालाना खर्च का 50 गुना फंड बनाना लक्ष्य रखें. उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो रिटायरमेंट कॉर्पस करीब 3 करोड़ रुपये होना चाहिए।

रिस्क कम करें, सुरक्षा बढ़ाएं

धीरे-धीरे इक्विटी से पैसा निकालकर डेट फंड्स, बॉन्ड्स या फिक्स्ड इनकम ऑप्शंस में डालें।

इंश्योरेंस कवरेज जांचें

सुनिश्चित करें कि हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त हैं।

कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखें

रिटायरमेंट से पहले घर या कार जैसे बड़े लोन पूरी तरह चुका दें। इससे आपकी भविष्य की इनकम पर बोझ नहीं पड़ेगा।

अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं हो सकेगी

अभी तक कई मामलों में अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता था

म्यूचुअल फंड निवेश प्रक्रिया में हो रहे हैं अहम बदलाव, निवेशकों पर क्या होगा असर

अब से पहले, म्यूचुअल फंड्स के निवेशकों को अपने निवेश के रिस्क पैरामीटर्स की जानकारी महीने के अंत में मिलती थी, यह जानकारी हर महीने के 15 दिन के भीतर उपलब्ध होगी।

एक बार फिर म्यूचुअल फंड प्रक्रिया में बदलाव हो रहे हैं। इसका निवेशकों पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। इसके कुछ फायदे होंगे तो कुछ नुकसान भी निवेशकों को भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप भी निवेशक हैं या निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो आप अलर्ट हो जाएं और सभी दस्तावेजों को जांचके के बाद ही निवेश यात्रा शुरू करें। बताया जा रहा है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा एक बार फिर म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया गया है। सेबी ने निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को हो रही दिक्कतों को कम करने के लिए नए म्यूचुअल फंड फोलियो में पहली बार किए जाने वाले निवेश (पहला ट्रांजैक्शन) की प्रक्रिया को एक जैसा (स्टैंडर्ड) बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने प्रस्ताव रखा है कि अब म्यूचुअल फंड अकाउंट केवल तब ही खोले जा सकेंगे जब निवेशक की केवाईसी प्रक्रिया पूरी तरह से सत्यापित हो जाएगी। हलांकि सेबी की तरफ से की जा रही इस कार्यवाही से निवेशकों को लाभ ही होगा और वे किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से बच सकेंगे।

निवेशकों के हितों के लिए जरूरी

असल में मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा समय समय पर म्यूचुअल फंड के नियमों में कुछ न कुछ बदलाव किया जाता है, ताकि निवेशकों का हित बना रहे, साथ ही एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को भी आसानी हो। बीते कुछ सालों में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का लोकप्रियता निवेशकों के बीच बहुत ज्यादा बढ़ी है। इंडस्ट्री का कुल एयूएम 75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। ऐसे में सेबी समय समय पर यह ध्यान रखती है कि नियमों में कुछ बदलाव किया जाए या रिफॉर्म किया जाए। बीते कुछ महीनों में सेबी ने कुछ बदलाव या रिफॉर्म किए हैं और आगे के लिए भी कुछ प्रपोजल है। ये निवेशकों को म्यूचुअल फंड में निवेश के दौरान बड़ी राहत देने का काम करेंगे। आप भी निवेश करने जा रहे हैं अपने दस्तावेजों को साथ रख लें।

सेबी म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया, सभी दस्तावेज देने होंगे

नए प्रपोजल के क्या हैं मायने

अब अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं की जा सकेगी। अभी की बात करें तो कई मामलों में निवेशक का अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता है, जिससे आगे चलकर उन्हें ट्रांजेक्शन, रिडेम्पशन और डिविडेंड पाने में परेशानी होती है। इसी को रोकने के लिए सेबी यह नया सिस्टम लागू करने जा रहा है। नया सिस्टम लागू होने के बाद पूरी पारदर्शिता के साथ लोग निवेश कर पाएंगे और अपने निवेश को सुरक्षित भी रख सकेंगे। जब एमएसी (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) को अकाउंट खोलने के लिए जरूरी दस्तावेज मिल जाएं और केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो जाए, तभी नया फोलियो बनाया जाएगा। केवाईसी पूरी होने के बाद, एएमसी कंपनी इन दस्तावेजों को केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी (केआर) को भेजेगी, जो केवाईसी की अंतिम जांच करेगी।

डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव

एएफएफआई और सेबी ने छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव किया है। निवेशकों को अपने निवेश के लिए अधिक स्पष्ट और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होगा। यह नियम निवेशकों को उनके निवेश के लिए सही और समय पर जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

कट-ऑफ टाइम में बदलाव

इस साल सेबी ने ओवरनाइट म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए कट-ऑफ टाइम में बदलाव किया है। 1 जून 2025 से ऑफलाइन लेनदेन का समय दोपहर 3 बजे तक हो गया है। ऑनलाइन लेनदेन का समय शाम 7 बजे तक है। इन समयों के बाद किए गए लेनदेन अगले कारोबारी दिन प्रोसेस होंगे, जिससे एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) बदल सकती है। बदलाव प्लेजिंग (गिरवी रखने) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए किया गया है।

एनएफओ को लेकर क्या बदलाव

एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) से जुटाए गए पैसों को तय समय में निवेश करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो निवेशक बिना एग्जिट लोड दिए अपना पैसा निकाल सकते हैं। यह नियम एएमसी को जरूरत से ज्यादा पैसा जुटाने से रोकेगा और सही जगह निवेश सुनिश्चित करेगा। इसके लिए 30 दिन का समय निर्धारित है।

स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे

म्यूचुअल फंड स्कीम्स को स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे, ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिति का सही अंदाजा हो सके। एएमसी कर्मचारियों की सैलरी का कुछ हिस्सा म्यूचुअल फंड स्कीम्स में लगाया जाएगा। कितना पैसा और किन स्कीम्स में निवेश होगा, यह उनकी भूमिका पर निर्भर करेगा। इससे कर्मचारियों और निवेशकों का हित एक जैसा होगा।

आरएसबीवीपी प्रतियोगिता में विद्यालयों से सर्वश्रेष्ठ विज्ञान मॉडल किए जाएंगे प्रदर्शित

- खंड स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक विद्यार्थियों को मिलेगा भाग लेने का मौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शिक्षा विभाग खंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। जिसमें खंड स्तर के विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया जाएगा। सभी सरकारी विद्यालय जिनको हरियाणा बोर्ड या सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है और हरियाणा बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी स्कूल (सीबीएसई बोर्ड वाले निजी स्कूल भाग नहीं ले सकते) अपने विद्यालय के कक्षा 6वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के विज्ञान मॉडल तैयार करेंगे और विषयों, दिशानिर्देशों और मानदंडों के अनुसार ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 में मॉडल के साथ अपने विद्यालय की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। कनीना के विद्यालयों से विद्यार्थी 11 नवंबर को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना में, नांगल चौधरी खंड में 11 नवम्बर को ही पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी में, नारनौल में 12 नवम्बर को राजकीय उच्च विद्यालय हमीदपुर में, महेंद्रगढ़ में 12 को पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ में और अटेली खंड के विद्यालयों से विद्यार्थी 12 नवम्बर को खंड स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में राजकीय विद्यालय बाछोद में भाग लेंगे।

क्या कहते है डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि विज्ञान एवं गणित के बच्चों, शिक्षकों व आमजन के बीच वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित और विकसित करने के उद्देश्य से बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। सभी विद्यालय मुखिया अपने विद्यालय के विद्यार्थियों को अपनी प्रदर्शनी और मॉडल तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करें। शिक्षकों को निर्देशित करें कि वे विद्यार्थियों को उपयुक्त परियोजना उप-विषय आवंटित करने में मार्गदर्शन करें और उन्हें अपनी परियोजना की योजना बनाने में सहायता करें।

उद्देश्य और कार्य योजना

वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना: स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक रुचि और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना, लोकप्रिय बनाना और विकसित करना, ताकि बच्चे विज्ञान और गणित में अपनी प्रतिभा और हमारे दैनिक जीवन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुप्रयोगों का प्रदर्शन कर सकें।

प्रतिभा को पोषित करें: विज्ञान और गणित में छात्रों के बीच आविष्कारशील और रचनात्मक प्रतिभा की पहचान करना और उसका पोषण करना।

स्तरीय प्रतियोगिता: ब्लॉक स्तर के कार्यक्रम जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों के लिए सहायक होते हैं।

बीते वर्ष यह थी उपलब्धि

गत वर्ष भी महेंद्रगढ़ जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दौंगडा अहीर की कक्षा नौवीं में पढ़ने वाला छात्र मनीष ने 26 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2024 तक हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई (सोनीपत) हरियाणा में आयोजित हुई 51 वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में जिले और राज्य का प्रतिनिधित्व किया था। जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से कुल 185 और हरियाणा राज्य के कुल छह प्रतिभागी थे। पुणे में हुई 50 वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भी जिले से राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय कनीना की छात्रा हिमांशी ने भाग लिया था। इस तरह की उपलब्धियां सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रेरित करती है। वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रदर्शित होने वाले मॉडल विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं।

क्या कहते है डीएसएस

जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविंद्र कुमार ने बताया कि मॉडल मेकिंग में कक्षा छठी से बारहवीं के विद्यार्थी सर्वप्रथम खंड स्तर पर भाग लेंगे। खंड स्तर पर सात उपविषयों पर होने वाली बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में सभी उपविषयों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जिला स्तर पर भाग लेंगे। प्रत्येक खंड से कुल 21 विद्यार्थी अपने मार्गदर्शक अध्यापक के साथ जिला स्तर पर भाग लेंगे। जिला स्तर पर विजेता विद्यार्थी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी दिखा सकते है।

विषय एवं उपविषय

इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकासशील और आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, और गणित (एसटीईएम) है। इसमें सात अलग अलग उपविषयों पर विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर खंड स्तर पर भाग लेना है। उप-विषय सतत कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियां, मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल संरक्षण और प्रबंधन है।

खबर संक्षेप

यूरो स्कूल में सांस्कृतिक समारोह आयोजित

कनीना। यूरो स्कूल में हरियाणा दिवस के मौके पर सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित करके किया। प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धा वाले दौर में विद्यार्थी संस्कृति और संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। उनका ध्येय है कि अपनी संस्कृति व अच्छे संस्कारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न कर सकें तथा वे अपने उज्ज्वल भविष्य व अपने पारिवारिक संबंधों के प्रति जागरूक हो। इस मौके पर सतबीर यादव, लखन लाल, मीनू दूबे, विकास, कंवर सिंह, रितु तंवर, सुमन यादव, तन्नु गुप्ता आदि उपस्थित थे।

महिपाल नम्बरदार बने एनसीसीए के अध्यक्ष

कनीना। नेशनल क्राइम कंट्रोल आर्गेनाइजेशन ने गांव बागोत निवासी महिपाल नम्बरदार को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील अत्री, चेयरमैन अमन गुप्ता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि उनकी नियुक्ति के बाद वे गरीब लोगों की सहायता व इंसाफ दिलाने में मदद करेंगे।

लोगों में प्रशासन के प्रति बढ रहा आक्रोश

विवाह शादियों के सीजन से बाजार गुलजार, अतिक्रमण बनी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर में वैसे तो हमेशा ही सड़कों तक फैला अतिक्रमण लोगों के लिए मुसीबत बनता है, लेकिन शादियों के सीजन से पहले इसे न हटने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अब विवाह शादियों का सीजन में अतिक्रमण करने वालों की संख्या और बढ़ जाती है।

इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस ओर कार्रवाई नहीं की जाती है। शहर के मुख्य बाजार और चौराहों को भी अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया जा रहा है। इस समय शहर का मुख्य बाजार के हालत यह है कि दिन में बाइक निकालना भी मुश्किल हो जाता है। क्योंकि दुकानें सड़क तक फैली हुई हैं, इसके बाद वहां पर अस्थाई रेहड़ी लगने के कारण बाजारों ने गलियों का रूप ले लिया है। अतिक्रमण के कारण यहां दिन में पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सड़क एक छोटी सी गली बनकर रह जाती हैं।

महेंद्रगढ़। शंकर मार्केट में लगा जाम। फोटो: हरिभूमि

बाजार में महिला ग्राहकों की संख्या ज्यादा रहती है। शहर के बालाजी चौक से सब्जी मंडी की ओर जाने वाले मार्ग पर हर समय जाम की समस्या रहती है। खास बात यह है कि यहां पर पुलिस कर्मी होने के बाद भी लोग जाम के झाम से जूझते हैं। यही नहीं आवारा पशु भी अक्सर यहां पर परेशानी का सबब बन जाते हैं। ऐसे में कई बार यहां पर लंबा जाम लग जाता है। जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ रहा है। आसपास के रहने वालों ने बताया कि यहां पर पुलिसकर्मी होने के बाद भी अतिक्रमण की वजह से लोगों को जाम से जूझना पड़ता है। कई बार नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाया जाता है, लेकिन कुछ दिन के बाद अतिक्रमण जस का तस हो जाता है।

जल्द चलेगा अभियान

नगर पालिका की ओर से जल्द शहर में अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया जाएगा, ताकि लोगों को परेशानी न हो।

-रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका, महेंद्रगढ़

विवाह-शादी के सीजन में बढ़ रही परेशानी

इस समय शादी-विवाह का सीजन चल रहा है। इसलिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में आसपास के गांवों सहित शहरवासी बाजारों में खरीदारी करने के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन पार्किंग नहीं होने के कारण वे अपने वाहन इधर-उधर खड़ा कर देते हैं या फिर बाजारों में ही वाहन ले जाते हैं। इससे हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे अन्य वाहन चालक व राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शादियों का सीजन शुरू

बता दे की विवाह-शादियों का सीजन शुरू हो चुका है। जिससे बाजार में ग्राहकों के साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ गई है। इस वक्त बाजार में सभी प्रकार के वाहन आना जाना शुरू हो गए है। इस कारण बाजार में शादी ब्याह का सामान उठाने के लिए ट्रैक्टर, ट्रॉली के साथ लोडिंग वाहन की संख्या भी अधिक बढ़ गई है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के ये बाजार अतिक्रमण की चपेट में

बता दे कि शहर की गांधी मार्केट, शॉपिंग कॉम्पलेक्स, 11 हट्टा बाजार, आईटीआई रोड, रेलवे रोड, सिनेमा रोड, सर्राफा बाजार, अंबेडकर चौक की ओर जाने वाला मार्ग, मसानी चौक, मसानी चौक की ओर जाने वाला मार्ग सहित अनेक बाजारों में दुकानदारों ने अतिक्रमण किया हुआ। यहीं नहीं नगर पालिका कार्यालय के सामने बनी दुकानदारों ने भी आधी सड़क पर अपना सामान रखकर अतिक्रमण किया हुआ। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता नगर पालिका कार्यालय के सामने हीं अतिक्रमण है तो वह नगर पालिका के अधिकारी शहर को कैसे अतिक्रमण मुक्त करवा पाएगा।

सीएल स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। पुलिस की ओर से नशा मुक्ति जागरूक अभियान के तहत सीएल पब्लिक स्कूल में जागरूकता सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में महावीर चौकी प्रभारी जयभगवान की उपस्थिती में हरियाणी फिल्म डायरेक्टर भारत बोहरा व उनके समूह के अन्य कलाकारों ने स्कूल के विद्यार्थियों को एक लघु नाटिका के माध्यम से नशा मुक्ति व साइबर अपराध के बढ़ते हुए मामलों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए समझाया कि किसी भी तरह के नशे को न अपनाने की जागरूकता स्वयं हमें अपने अंदर लानी होगी तथा समाज में अपना अग्रणी सहयोग देना होगा। इस संबंध में बच्चों तथा अध्यापकों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। इसके साथ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने विद्यार्थियों को सचेत करते हुए समझाया कि अनजान लिंक पर क्लिक न करे तथा किसी अजनबी व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में ओटीपी न बताए। यदि किसी के साथ साइबर अपराध हो जाता है, तो बिना देरी के हल्पलाइन नम्बर 1930 पर सूचना देकर अपनी शिकायत दर्ज करवाए।

महेंद्रगढ़। चेस खेलते नासा स्कूल के बच्चे। फोटो: हरिभूमि

नासा स्कूल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा स्थापना दिवस पर नासा पब्लिक स्कूल में हरियाणा को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चेयरमैन सुरेश कुमार भगडाना ने बताया कि इस दौरान एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पुनीत ने प्रथम, याशु ने द्वितीय तथा तनिष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चेयरमैन सुरेश कुमार ने बच्चों को हरियाणा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हरियाणा के जन्म से लेकर उसकी प्रगति, संस्कृति और रीति रिवाज के बारे में बच्चों को बताया। इस अवसर बच्चों ने इंडोर गेम्स शतरंज और लूडो खेल कर मनोरंजन किया। इस अवसर पर संजीव कुमार, नवनीत, हवासिंह गडानिया, हितेश, अंजलि, शीतल, पूजा और सुषमा आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। हरियाणवी वेशभूषा में सज्जे बच्चे। फोटो: हरिभूमि

विजय इंटरनेशन स्कूल में मनाया हरियाणा दिवस

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल हरियाणा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने भाग लिया और हरियाणा की संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय संरक्षक महेंद्र सिंह द्वारा मां सरस्वती के सामने द्वीप प्रज्जलवित करके की गई। छात्रों ने हरियाणा की संस्कृति का प्रदर्शन किया, जिसमें पारंपरिक नृत्य, संगीत और नाटक शामिल थे। छात्रों को हरियाणा के इतिहास और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों ने भाग लिया और पुरस्कार जीते। प्रधानाचार्य नत्थू सिंह ने छात्रों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह दिन हमें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और इतिहास के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है। समापन में चेयरमैन विजय यादव टूमना ने सभी को बताया कि हरियाणा आज ही के दिन एक नवम्बर 1966 को पंजाब से अलग होकर अलग राज्य बन था और तब से आज तक प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जा रहा है।

चार वरिष्ठ लैब सहायकों को पदोन्नत करने के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौली

भारतीय जनता पार्टी ने हेमंत चौबे को नारनौल मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। शनिवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष डॉ. यतेन्द्र राव ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हेमंत चौबे का फूलमालाओं से स्वागत किया। पूर्व में भाजपा के जिला सह प्रवक्ता व मंडल महामंत्री रह चुके हेमंत चौबे बजरंग दल के जिला संयोजक के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। पार्टी में लंबे समय से सक्रिय चौबे ने विभिन्न पदों पर रहते हुए अनेक सफल कार्यक्रमों का संचालन किया है।

जिला अध्यक्ष डॉ. यतेन्द्र राव ने बताया कि हेमंत चौबे की संगठन के प्रति निष्ठा व कार्यशैली पार्टी के लिए प्रेरणादायक रही है। हेमंत चौबे ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, जिला अध्यक्ष डॉ. यतेन्द्र राव, पूर्व मंत्री प्रो. रामविलास शर्मा, विधायक ओमप्रकाश यादव, प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट राकेश शर्मा सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया।

आरपीएस स्कूल में हरियाणा दिवस पर प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम

कनीना। आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल भड़फ में हरियाणा दिवस का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें नृत्य, गायन, रागिनी, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता आदि शामिल थी। इन गतिविधियों ने हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर प्रदान किया। स्कूल की अध्यक्ष डॉ. पवित्रा राव, सीईओ मनीष राव और डिप्टी सीईओ कुणाल राव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और उन्हें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और विरासत पर गर्व करने के लिए प्रेरित किया। हरियाणा दिवस के इस आयोजन ने विद्यार्थियों में राज्य की संस्कृति और इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्कूल प्रिंसिपल ज्योति भट्ट ने इस आयोजन के लिए विद्यार्थियों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने का आश्वासन दिया।

स्लम एरिया टैलेंट में बच्चों ने दिखाई संस्कृति की झलक

नारनौल। स्लम एरिया टैलेंट प्रांगण में हरियाणा दिवस बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हरियाणा राज्य के गौरवगान के साथ हुई। जिसके बाद बच्चों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में कुल 12 बच्चों ने हिस्सा लिया। जिन्होंने स्पीच, नृत्य व गायन के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, गौरवशाली इतिहास को बखूबी प्रस्तुत किया। कुछ बच्चों ने हरियाणा की मिट्टी से जुड़े लोकगीत व नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को हरियाणवी रंग में रंग दिया।

महेंद्रगढ़। दौड़ लगाते किड्स के बच्चे। फोटो: हरिभूमि

ओम साईंराम स्कूल में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

महेंद्रगढ़। श्री ओम साईंराम किड्स प्ले स्कूल की कक्षा प्री नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के बच्चों की दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन गत दिवस करवाया गया। प्राचार्या सविता यादव की देखरेख में करवाई गई इन प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सभी कक्षाओं की दौड़ में अंशु, छवि, आरोही, देव, रोहित, जियान, तवीश, कार्तिक, यश प्रथम स्थान पर रहे। तेजस, अवनी, वंशिका, भावेन, नव्या, यशमान, कनिष्का, तनिष, ऋषभ द्वितीय स्थान पर तथा राघव, पूर्व, दक्षित, तेजस्विनी, युवराज, गीतिका, हरीश, भविष्य, लक्ष्य तृतीय स्थान पर रहे। गुब्बारा दौड़ में अंशु, आरोही, ध्रुव, रोहित प्रथम स्थान पर शिवांश, दक्षित, लव्यांस, मुकुल द्वितीय व पूरव, वंशिका, भावेन, दक्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या सविता यादव के द्वारा सभी में मेधावी बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित करके उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

महेंद्रगढ़। विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी में इंटर स्कूल साइंस क्विज प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में इंटर स्कूल साईंस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में यदुवंशी की सभी 14 शाखाओं की टीमों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विज्ञान ज्ञान का प्रदर्शन किया। क्विज के दौरान विज्ञान से संबंधित विविध प्रश्न पूछे गए, जिनका उत्तर प्रत्येक टीम ने उत्साहपूर्वक दिया। प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्ग 9वीं व 10वीं व 11वीं व 12वीं कक्षा ग्रुप में हुआ। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तर्कशक्ति और जिज्ञासा को बढ़ावा देना था। निर्णायकों का निर्णय निष्पक्ष और उचित रहा, जिसमें 9-10 कक्षा वर्ग में यदुवंशी सतनाली, यदुवंशी मंदौला संयुक्त रूप से प्रथम यदुवंशी जींद द्वितीय व यदुवंशी महेन्द्रगढ़ तृतीय स्थान पर रहे। वहीं 11-12 कक्षा ग्रुप वर्ग में प्रथम स्थान पर यदुवंशी हांसी, द्वितीय स्थान पर यदुवंशी महेन्द्रगढ़ व यदुवंशी नारनौल व तृतीय स्थान पर यदुवंशी, थनवास रहा। विजेता टीम को मोमेंटो व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस क्विज का उद्देश्य केवल विजेता तय करना नहीं, बल्कि प्रत्येक छात्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिज्ञासा की भावना को विकसित करना है। विज्ञान केवल एक विषय नहीं है, यह सोचने, समझने और नए आयाम खोजने की प्रक्रिया है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्णसिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव ने शुभकामनाएं दी।

अध्यापिकाओं की म्यूजिकल चेयररैस के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं फाइनल मुकाबले आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में शनिवार को 22वीं दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ किया गया। इस मौके पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रामानंद मुख्य अतिथि थे। स्कूल के डायरेक्टर हुक्मसिंह तंवर व मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सुरेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जबकि मंच संचालन राजनीतिज्ञ विज्ञान के प्रवक्ता रामनिवास चैहान ने कया।। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने मां सरस्वति की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। उसके बाद स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

महेंद्रगढ़। खेलकूद में भाग लेते खिलाड़ी व हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

ये हुए आज मुकाबले:

खेल प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार ने बताया कि सर्वप्रथम लड़कियों के सीनियर वर्ग में 100 मीटर की दौड़ करवाई गई, जिसमें रानी लक्ष्मीबाई हाउस से हिमांशी ने प्रथम, महक ने द्वितीय व भूमिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कों की 100 मीटर की रेस में रानी लक्ष्मीबाई हाउस से अमित ने प्रथम, कुशाल ने द्वितीय व आयुष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कों की 200 मीटर की रेस में रानी लक्ष्मीबाई हाउस से अमित ने प्रथम, केशव ने द्वितीय तथा राव तुलाराम हाउस से नितेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की 200 मीटर की रेस में कल्पना चावला हाउस से नताशा ने प्रथम, हिमांशी ने द्वितीय व सिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में आयोजित 400 मीटर की रेस में केशव ने प्रथम, अमित ने द्वितीय व नितेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के सीनियर वर्ग में आयोजित 400 मीटर की रेस में नताशा ने प्रथम, खुशी ने द्वितीय तथा भूमिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों जूनियर वर्ग में आयोजित कबड्डी के मुकाबले में रानी लक्ष्मीबाई हाउस ने महाराणा प्रताप हाउस को तथा राव तुलाराम हाउस ने कल्पना चावला हाउस को हराया। लड़कों के सीनियर वर्ग में आयोजित खो-खो के मुकाबले में महाराणा प्रताप हाउस ने कल्पना चावला हाउस को व राव तुलाराम हाउस ने रानी लक्ष्मीबाई हाउस को हराया। लड़कियों के खो-खो मुकाबले में राव तुलाराम हाउस ने महाराणा प्रताप हाउस व कल्पना चावला हाउस ने रानी लक्ष्मीबाई हाउस को हराया।

यह बोले मुख्यातिथि

मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों का अत्यंत महत्व है। खेलों के बिना विद्यार्थियों का सर्वांगिम विकास संभव नहीं है। एक अच्छा खिलाड़ी खेलों के माध्यम से भी अपने साथ-साथ अपने माता-पिता व देश का नाम गौरवांवित कर सकता है, इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को हार जीत की परवाह ना करते हुए प्रत्येक प्रतियोगिता में अवश्य भाग लेना चाहिए। चैयरमैन सतन सिंह ने सभी विद्यार्थियों को खेल को खेल की भावना से खेलने की शपथ दिलवाते हुए कहा कि खेल में हार व जीत तो होती रहती है। खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, प्रतिस्पर्धा, परिश्रम की भावना भी उत्पन्न होती है, जो बच्चों को अपने जीवन के लक्ष्य को हासिल करने में सार्थक सिद्ध होती है।

देवयानी इंटरनेशन स्कूल में मनाया हरियाणा दिवस

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल में हरियाणा दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। नौवीं कक्षा से छात्रा पूजा ने हरियाणवी बोली में भाषण देते हुए कहा कि हमें पिज्जा, बर्गर पचता कोनी, साधारण सै म्हारा खाना। इसा सै म्हारा हरियाणा। छठी कक्षा से नव्या यादव ने हरियाणा की स्थापना पर टिप्पणी करते हुए विचार प्रस्तुत किए। छात्रा जानवी, दिव्या, अंशिका यादव, हरमाइनी ने भी हरियाणा की प्रतिभाओं का बखान करते हुए विचार प्रकट किए। छात्रा दिव्या चौधरी ने 'मै सूं हरियाणे की छोरी' गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। हाउस कॉर्डिनेटर इंचार्ज रोहित यादव ने अपने भाषण में हरे-भरे हरियाणा को साफ सुथरा रखने पर बल दिया। मंच संचालक अध्यापिका अनिता शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत किया कि हरियाणा भारत वर्ष में समृद्ध प्रांतों में गिना जाता है। यहां की हरी-भरी हरियाली और सीधा सादा खाना इनकी पहचान है। हमें हमारे हरियाणा और हरियाणवी होने पर गर्व है, क्योंकि खेलों में पूरे देश का नेतृत्व हमारा हरियाणा करता है।

खबर संक्षेप

प्रश्नोत्तरी में हर्ष की टीम व मेहंदी में निशा प्रथम

तोशाम। गांव कैरू स्थित बाबा मुंगीपा एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स स्कूल में राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का प्रतीक रन फॉर यूनिटी बड़ी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया और साथ ही लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। विद्यालय प्राचार्य रमेश रंगा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को एकता में श्रेष्ठता के भाव को उजागर करते हुए खास बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रन फॉर यूनिटी के तहत आयोजित 3 किलोमीटर की मैराथन दौड़ रही।

पटेल जयंती पर लिया राष्ट्रीय एकता का संकल्प

भिवानी। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस पर वैश्य महाविद्यालय में एकता मार्च निकाला। उच्चतर जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार एकता मार्च में प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, स्टाफ सदस्यों के साथ स्वयंसेवकों ने एकता मार्च में भाग लिया। मार्च को विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता मार्च के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत राष्ट्रीय एकता दिवार निर्माण प्रतियोगिता और शपथ समारोह का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व को दर्शाता है उन्होंने देश को एकता के सूत्र में पिरोया।

जिला स्तरीय पोस्टर मेकिंग में तोशाम के मॉडल संस्कृति स्कूल की कोमल प्रथम

हरियाणा दिवस पर सांस्कृतिक उत्सव में छात्राओं व कलाकारों ने जमाया रंग

भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित स्वाति का सम्मान

भिवानी। पंचायत भवन में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का द्वीप प्रज्ज्वलित करके शुभारंभ करते विधायक घनश्यामदास सर्राफ व विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

भिवानी। पंचायत भवन में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देती छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पंचायत भवन में शनिवार को हरियाणा दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम में विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। वहीं बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि विशिष्ट अतिथि तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी साहिल गुप्ता ने की। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय चोपड़ा और सीटीएम अनिल कुमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में हरियाणा के सुप्रसिद्ध लोक गायक एवं हिंद केसरी बाली शर्मा व उनके पुत्र अनुज शर्मा के अलावा जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय से दलबीर सिंह की भजन मंडली ने हरियाणवी संस्कृति पर आधारित लोकगीतों की जोरदार प्रस्तुति थी।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक सर्राफ व विधायक वाल्मीकि ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन करके किया। विधायक सर्राफ ने कहा कि प्रदेश सरकार नई-नई जन कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। पेपरलेस स्टांप रजिस्ट्री ऑनलाइन शुरू की गई हैं, इससे रजिस्ट्री में कम खर्च होगा। इसी प्रकार से सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र महिलाओं के खाते में आज से 2100 रुपये डालने शुरू किए हैं, जो महिलाओं के स्वावलंबन में मिल का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि भिवानी के खिलाड़ियों ने न केवल हरियाणा का बल्कि देश का नाम विश्व में रोशन किया है। हमें लड़कियों को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने चाहिए, वर्तमान में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। पिछले 60 वर्ष में हरियाणा न केवल आत्मनिर्भर बना है, बल्कि देश के सबसे विकसित प्रदेशों में से एक है, जिसमें प्रत्येक हरियाणवी का योगदान है। विधायक वाल्मीकि ने कहा कि हरियाणा की संस्कृति समृद्ध और विशाल है। दूसरे प्रदेशों में जहां भी जाते हैं, हरियाणवियों की एक अलग ही पहचान दिखाई देती है। हमारी भाषा रहन-सहन और पहनावा अलग ही है। उन्होंने कहा कि जब-जब देश को बलिदान की जरूरत पड़ी है, हरियाणा के शूरवीरों ने आगे बढ़कर देश के लिए अपनी शहादत दी है। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुई फिलहाल बीडीपीओ पद पर कार्यरत भिवानी निवासी स्वाति अग्रवाल और श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल बहल की 12वीं कक्षा की छात्रा एवं रचनात्मक लेखिका कीर्ति श्योराण को सम्मानित किया। हरियाणा दिवस पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान पाने वाले राजकीय वमा विद्यालय खरकड़ी झांवरी के प्रभात, द्वितीय राजकीय स्कूल की खरकड़ी की आस्था और तृतीय स्थान पर रहने वाली राजकीय स्कूल रोढां की रिया को सम्मानित किया।

हरियाणवीं संस्कृति की बिखेरी छटा

जिला स्तरीय पोस्टर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में जिले में प्रथम स्थान पर रहने वाले राजकीय मॉडल संस्कृति वमा स्कूल तोशाम की कोमल, द्वितीय राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल सिवानी मंडी से मन्नू देव और तृतीय स्थान पर रहने वाले गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुई के अरमान को जिला प्रशासन ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्कूल की छात्राओं ने मां सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। इसके अलावा राजकीय कन्या वमा विद्यालय और टीआईटी स्कूल की छात्राओं ने हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों की जोरदार प्रस्तुति दी।

वाहन चालकों का किया सम्मान

भिवानी। हरियाणा स्थापना दिवस पर प्रबंधक थाना लोहारू निरीक्षक जरनैल सिंह ने अपनी टीम के साथ सामाजिक कार्यकर्ता विजय गोदड़ा के सहयोग से एक विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने सड़क पर चल रहे वाहन चालकों को फूल भेंटकर उनका स्वागत किया तथा बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों को हेलमेट वितरित कर सुरक्षित यातायात का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करना था। थाना प्रबंधक लोहारू ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल जुर्माने से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए करना चाहिए। हेलमेट और सीट बेल्ट हमारी जान के रक्षक हैं। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा, गतिसीमा, मोबाइल का प्रयोग, ओवरलोडिंग आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

हरियाणवी संस्कृति की दिखी झलक

बवानीखेड़ा। बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हरियाणा दिवस एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार से हरियाणवी वेशभूषा के माध्यम से हरियाणा के विकास व संस्कृति की झलक दिखाई। इस मौके पर ग्रामीण संस्कृति को दर्शाते हुए बच्चों ने भाषण, कविता, रागनी, चुटकुले, हरियाणवी नृत्य से सबका ध्यान आकर्षित किया। प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ विभाग संचालक योगेंद्र सिंह एवं कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक के द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि।

भिवानी। बीके विद्यालय में सरदार पटेल को नमन करते अतिथि।

गांव प्रेमनगर में चलाया विशेष सफाई अभियान

भिवानी। शनिवार को हरियाणा दिवस पर गांव प्रेमनगर की चार सामाजिक समितियों ने हरियाणा एक-हरियाणवी एक की शपथ ली और गांव में संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान में ग्राम विकास एवं शिक्षा समिति, डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा, महर्षि वाल्मीकि युवा शक्ति समिति और राजकीय उच्च विद्यालय प्रेमनगर की स्कूल प्रबंधन समिति शामिल रही। कार्यक्रम में ग्राम शिक्षा समिति प्रेमनगर व अंबेडकर महासभा के प्रेस सचिव एवं पूर्व प्राचार्य रमेशचंद्र बूरा ने सभी को हरियाणा एक-हरियाणवी एक की शपथ दिलाई।

भिवानी। गांव प्रेमनगर में सफाई अभियान चलाते सामाजिक संस्थाओं के सदस्य।

सेंट जेवियर्स में मनाया हरियाणा दिवस समारोह

भिवानी। सें जेवियर्स में हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देती छात्राएं।

भिवानी। सेंट जेवियर्स में हरियाणा दिवस बड़े ही उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यतिथि स्कूल प्रबंधक अश्विनी चौहान, स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निर्देशिका कीर्ति चौहान एवं प्राचार्या ने द्वीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने हरियाणा की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक परिधानों के माध्यम से राज्य की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत किया। मंच पर प्रस्तुत हरियाणवी नृत्य ने हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रूप प्रदान किया और उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया।

उत्सव में दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की दी शानदार प्रस्तुतियां

- कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के आगे द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आस्था स्पेशल स्कूल में हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देती दिव्यांग छात्राएं।

आस्था स्पेशल स्कूल में हरियाणा स्थापना दिवस पर दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के आगे द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया और दिव्यांग बेटियों ने अतिथियों की तिलक लगाकर स्वागत किया। मुख्यतिथि शिक्षाविद निर्मल वर्मा, मोनिका संजय शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. आदिति कुलश्रेष्ठ, अंजलि गांधी, पुष्पा चौधरी एवं आदर्श ब्राह्मण सभा के प्रधान सुभाष कायला, साधुराम शर्मा ने शिरकत कर बच्चों को आशीर्वाद दिया एवं कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया। दिव्यांग बधिर लड़कियों ने देशों में देश भारत,भारत में हरियाणा, मैं सू हरियाणा की छोरी, बौद्धिक अक्षम दिव्यांग बच्चा आदित्य ने मेरा जी लागे बाबा में पर प्रस्तुति देकर अतिथियों का मनमोह लिया। निर्मल वर्मा ने बताया कि दिव्यांग बच्चों की दिव्य ऊर्जा जो देखने को मिली, वास्तव में काबिले तारीफ है और इन बच्चों के साथ यह दंपति जुनूनी भाव के साथ कार्य कर रही है, जिसके लिए हमें गर्व है। मोनिका शर्मा ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचकर हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य कार्यक्रम में शामिल हुए।

भिवानी। शिक्षकों के साथ हरियाणवी संस्कृति की प्रसतुति देने वाली छात्राएं।

सरस्वती विद्या विहार में मनाया हरियाणा दिवस

भिवानी। सरस्वती विद्या विहार विद्यालय आसलवास दूबिया में हरियाणा दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई। पहली से पांचवीं के बच्चों ने मनमोहक हरियाणवी नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हरियाणा के ग्रामीण जीवन, बोली-भाषा और परंपराओं को जीवंत रूप से प्रदर्शित किया। बच्चों की मासूम अदाओं और संवादों ने सभी का मन मोह लिया। वहीं कक्षा छठी से आठवीं तक की छात्राओं ने शानदार हरियाणवी लोकनृत्य प्रस्तुत किया। सभी लड़कियां रंग-बिरंगे हरियाणवी पारंपरिक परिधानों में सजी हुई थीं और उनकी झूमर तथा घूमर की अदाओं ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। छात्राओं ने हरियाणा के प्रसिद्ध व्यक्ति जैसे खिलाड़ियों, अभिनेताओं, पहलवानों और किसानों की भूमिका निभाकर राज्य की गौरवशाली परंपरा को मंच पर जीवंत किया। विद्यालय के चेयरमैन राजबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा दिवस हमें हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और मेहनत की पहचान का अहसास कराता है।

सीनियर वर्ग में एसएलबीएस और जूनियर में सिटी स्कूल रहा विजेता

- हरियाणा दिवस उत्सव खेल एवं सृजनात्मकता का संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। श्रीलाल बहादुर शास्त्री वमा विद्यालय में हरियाणा दिवस पर खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से परिचय लेते अतिथि। *फोटो :हरिभूमि*

श्रीलाल बहादुर शास्त्री वमा विद्यालय में हरियाणा दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और द्वीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यालय परिसर हरियाणा की संस्कृति और परंपरा की झलकियों से सजा हुआ था। कार्यक्रम के अंतर्गत फ्रेंडली कबड्डी मैच का आयोजन सिटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की टीम के साथ हुआ। खेल दो वर्गों में खेला गया। सीनियर वर्ग में एसएलबीएस स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की। जूनियर वर्ग में सिटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल विजेता रहा।

अतिथियों ने विजेता टीमों को मैडल पहनाकर सम्मानित किया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खेल भावना एवं अनुशासन का अद्भुत परिचय दिया, जिससे दर्शकों ने खूब उत्साहवर्धन किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में लेखन के प्रति रुचि और सुंदर हस्तलेखन की प्रेरणा देना था। विजेता विद्यार्थियों को विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सोनिका धींगड़ा ने बधाई दी।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में मनाया हरियाणा दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। मिलकपुर के आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में अतिथियों के साथ हरियाणवी वेशभूषा में छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

गांव मिलकपुर के आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में शनिवार को हरियाणा दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया। कार्यक्रम स्कूल के असेंबली ग्राउंड में आयोजित किया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और राज्य के प्रति प्रेम का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और हरियाणा राज्य गीत से की गई। इसके बाद विद्यार्थियों ने हरियाणा की संस्कृति और परंपरा को दर्शाने वाले गीत, नृत्य, कविताएं और भाषण प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने हरियाणा के गौरवशाली इतिहास, किसानों की मेहनत, सैनिकों की वीरता और महिलाओं के योगदान पर आधारित प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। प्राचार्य नितीश मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हरियाणा दिवस के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 1 नवम्बर 1966 को हरियाणा का गठन हुआ था, और यह राज्य मेहनत, साहस और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें अपने राज्य की संस्कृति, भाषा और गौरव को सदैव बनाए रखना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन किया गया।

बेटी की शादी, हरियाणा दिवस व बाबा श्याम जन्मोत्सव पर रोपित की त्रिवेणी

- पर्यावरण संरक्षण खुशियों का संगम, गांव झुप्पा कलां में प्रेरणादायक पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। अपनी शादी, हरियाणा दिवस व श्रीश्याम महोत्सव की खुशी में त्रिवेणी रोपित करती कविता। *फोटो :हरिभूमि*

लोहारू उपमंडल के गांव झुप्पाकलां पर्यावरण संरक्षण जनआंदोलन का रूप ले चुका है। त्रिवेणी बाबा की प्रेरणा से ग्रामवासी हर समय, हर कदम पर पौधरोपण कर रहे है और उन्होंने इसे अपने जीवन का अभिन्न अंग बना लिया है। इसी कड़ी में पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा के मार्गदर्शन में गांव झुप्पाकलां की बेटी कविता की शादी के शुभ समारोह पर बेहद अनूठा और प्रेरणादायक कदम उठाया। स्वयं कविता ने अपने परिवार, सखियों और गांव वालों के साथ मिलकर बाबा श्रीश्याम बगीची में पौधरोपण एवं त्रिवेणी का रोपण किया। पौधरोपण समारोह और भी खास बनाने वाली बात ये रही कि ये दिन एक साथ तीन महत्वपूर्ण खुशियों को समेटे हुए था। कविता ने बताया कि त्रिवेणी सिर्फ उनकी शादी समारोह के उपलक्ष्य में रोपित नहीं की, बल्कि शनिवार को हरियाणा दिवस व बाबा श्रीश्याम की जन्मोत्सव भी था।

छात्रों ने हरियाणवी संस्कृति से ओत प्रोत दी सुंदर प्रस्तुतियां

- डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल ने मनाया हरियाणा दिवस व राष्ट्रीय एकता दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल द्वारा आर्य समाज के प्रखर व्यक्तित्व महात्मा आनंद स्वामी के जन्मदिवस एवं वैदिक संस्कार पुण्यमास के अंतर्गत नियमित यज्ञ का आयोजन किया। साथ ही भजन संध्या और स्वामीजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर छात्रों द्वारा भाषण प्रस्तुत किया। हरियाणा दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर धूमधाम से हरियाणा दिवस मनाया। कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं ने हरियाणवी लोकनृत्य की प्रस्तुति से सबका मनमोह लिया। कक्षा पहली व दूसरी के नौनिहालों द्वारा प्रस्तुत एकता मूलक वृत्त चित्र सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया। कक्षा नौवीं एवं ग्यारहवीं के छात्रों ने जनपद भिवानी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस पर आयोजित एकता दौड़ में भाग लेकर देश की एकता और अखंडता की भावना को पुष्ट किया। नर्सरी और एलकेजी के छात्रों ने हरियाणवी संस्कृति की मनभावनी झांकी प्रस्तुत की। प्राचार्या ने बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा दिवस केवल जश्न मनाने का दिवस नहीं है बल्कि यह आत्मनिरीक्षण और संकल्प लेने का दिन है।

जनता कालेज में हरियाणा दिवस पर करवाई विभिन्न प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

चरखी दादरी। छात्रा को पुरस्कृत करते अतिथि।

जनता कालेज में हरियाणा दिवस पर जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि दादरी विधायक सुनील सांगवान और बाढ़डा विधायक उमेद पातुवास ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन करके किया। जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में अपना संदेश देते हुए विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने कहा कि प्रदेश सरकार नई-नई जन कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 60 वर्ष में हरियाणा न केवल आत्मनिर्भर बना है बल्कि देश के सबसे विकसित प्रदेशों में से एक है। विधायक उमेद पातुवास ने कहा कि हरियाणा की संस्कृति समर्थ है, दूसरे प्रदेशों में जहां भी जाते हैं, हरियाणवियों की एक अलग ही पहचान होती हैं, यहां की भाषा रहन-सहन और पहनावा अलग ही है। उपायुक्त ने कहा कि 1 नवंबर का दिन हम सभी हरियाणवियों के लिए गर्व और उल्लास का दिन है। कार्यक्रम के दौरान पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, नृत्य और फोक सांग प्रतियोगिताएं भी करवाई और अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। नृत्य में पहले स्थान पर रहने वाली जेबीएस की टीम को 21 हजार, दूसरे स्थान के लिए जनता कॉलेज से प्रीति को 11 हजार, तीसरे स्थान के लिए दादरी पब्लिक स्कूल से कुनाल को 5100 रुपये का इनाम दिया। वहीं फॉक सांग रागनी में पहले स्थान के लिए जनता कॉलेज से प्रेरणा को 11 हजार, दूसरे सुभाष को 5100 व तीसरे स्थान के लिए यशेष को 3100 रुपये का पुरस्कार मिला।

खेतों से जल्द पानी की निकासी के लिए दिए निर्देश

जलभराव से नुकसान की भरपाई करेगी सरकार

विधायक ने बवानीखेड़ा में सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। ग्रामीणों की शिकायतें सुनते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

विधायक ने दिया आश्वासन

विधायक ने कहा कि वे हर समय अपने हल्का वासियों के साथ खड़े हैं। इस दौरान गांव बड़सी, कुंगड़, अलखपुरा, सुई, बलियाली, सिवाड़ा, पुर, धनाना, सिकंदरपुर और ढाणी कुशाल के अलावा दर्जनभर गांवों के लोगों ने विधायक के समक्ष समस्याएं विभिन्न प्रकार की समस्याएं रखी। विधायक ने कहा कि सार्वजनिक समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाएगा। लोगों को मूलभूत सुविधाओं की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

बवानीखेड़ा। हरियाणा दिवस पर एडीसी के निर्देशानुसार गांव कुंगड़ में लाडो लक्ष्मी योजना का कैम्प आयोजित किया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि नवीन गोयत, ग्राम सचिव विकास, विक्रम गोयत, तथा आंगनबाड़ी वर्कर संतोष, यशवंती, प्रमिला और प्रवीण उपस्थित रहे। कैम्प में ग्रामीण महिलाओं और बेटियों को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत रजिस्ट्रेशन करवाने तथा योजना के लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की इस पहल से बेटियों को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समान अवसरों के प्रति प्रेरणा मिलेगी। ग्रामीणों ने योजना के प्रति उत्साह दिखाया और सरकार की पहल की सराहना की।

लाडो लक्ष्मी योजना की दी जानकारी

बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह गंभीर हैं। खेतों से बरसाती पानी की निकासी जल्द से जल्द करवाने के लिए सिंचाई व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं, जलभराव से हुए नुकसान की सरकार भरपाई करेगी। इसके लिए क्षति पूर्ति पोर्टल भी खोला गया था, जिस पर लोगों द्वारा फसल व अन्य नुकसान दर्ज करवाया था। विधायक वाल्मीकि शनिवार को कस्बा बवानीखेड़ा स्थित लोकनिर्माण विश्राम गृह में कस्बा व आसपास क्षेत्र के गांवों के आए ग्रामीणों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षति पूर्ति पोर्टल पर लोगों द्वारा दर्ज करवाए गए नुकसान अधिकारिक तौर पर पड़ताल की जा रही है, ताकि नुकसान से संबंधित कोई भी व्यक्ति सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पानी निकासी के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

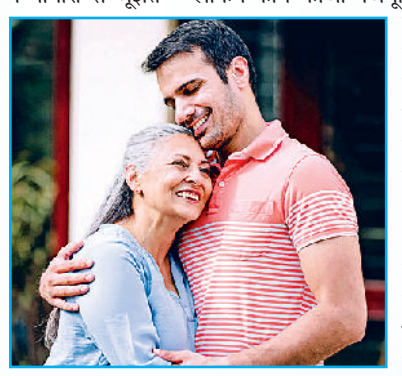

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन,
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

इंडियन पैसिफिक एक्सप्रेस

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, यह ट्रेन आपको दुनिया की सबसे यादगार ट्रेन यात्रा के रूप में दो महासागरों को पार करवाती है। सिडनी से पर्थ तक का 4352 किमी. लंबा यह रेल मार्ग आपको अनूठे लोक की यात्रा का अनुभव देता है। विशाल ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को पार करते हुए आप यहां के दिलकश नजारे देखेंगे तो मानो हिप्नोटाइज हो जाएंगे। कई जगह तो आपको वन्य जीवन की झांकी भी देखने को मिलेगी। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए कई क्लास के कोच हैं, जैसे गोल्ड सर्विस के तहत स्लीपर केबिन। आर रेड सर्विस के तहत डे नाइटर सीट। स्लीपर केबिन में आप तमाम सुविधाओं से सुसज्जित सिंगल या ट्विन स्लीपर केबिन ले सकते हैं और स्वादिष्ट ऑस्ट्रेलियन भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं। जबकि आर रेड सर्विस के तहत डेनाइटर सीट दी जाएगी, जिस पर सोने की सुविधा भले ही न हो पर आपको आरामदायक तरीके से बैठने की सुविधा जरूर मिलती है। यहां पर्याप्त लेगस्पेस है, कोहनी टिकाने के लिए आरामदायक हत्थे हैं, वीडियो देखने की सुविधा है। इन डिब्बों में भी स्नैक्स, कॉफी, लंच, डिनर सब कुछ उपलब्ध कराया जाता है। k

रोचक
शिखर चंद जैन

रेल यात्राएं तो आपने भी जरूर की होंगी। लेकिन देश-दुनिया में कुछ रेलगाड़ियां ऐसी हैं, जो हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। दुनिया की सबसे लंबी दूरियां तय करने वाली इन रेलगाड़ियों से यात्रा का अनुभव बेहद अनोखा और मजेदार होता है। इनमें से कुछ लंबी रेल यात्राओं पर एक नजर।

सबसे लंबी दूरी तय करने वाली अनोखी-शानदार रेल गाड़ियां

ट्रांस-साइबेरियन एक्सप्रेस

दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली यात्री ट्रेन है, ट्रांस साइबेरियन एक्सप्रेस। मॉस्को से व्लाडीवोस्टक तक फैली 9288 किमी. की पटरियों पर सरपट दौड़ती यह ट्रेन आपको वाकई एक यादगार यात्रा का अनुभव देती है। 77 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली इस ट्रेन में बिताए करीब 146 घंटे (करीब 6 दिन) आप शायद ही अपनी जिंदगी में कभी भुला पाएं, क्योंकि इन 6 दिनों में आप कभी पहाड़ों के बीच से गुजरेंगे, तो कभी हरी घास से भरे मैदानों से, कभी यह ट्रेन आपको रेगिस्तान के दृश्य दिखाएगी, तो कभी हरे भरे बियाबान जंगल के बीच से ले जाएगी। k

झिंगू हाइ स्पीड रेल

आज की तारीख में अगर लंबी दूरी तय करने वाली सबसे तीव्र गति वाली यात्री रेगलाड़ी का जिक्र होता है, तो उनमें झिंगू हाइ स्पीड रेल सबसे ऊपर है। यह ट्रेन बीजिंग से शंघाई की 1303 किमी. की यात्रा मात्र 5 घंटे में तय कर लेती है। इसकी गति 300 किमी. प्रतिघंटे तक हो सकती है। k

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा विवेक एक्सप्रेस तय करती है। यह 9 राज्यों से होकर गुजरती है। यह असम के डिब्रूगढ़ से तमिलनाडु के प्रसिद्ध स्थल कन्याकुमारी तक चलती है। यह रेलमार्ग लगभग 4,273 किलोमीटर लंबा है। इस सफर को तय करने में लगभग 80 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा गया है। अपने इस सफर में यह ट्रेन लगभग 55 स्टेशनों पर रुकती है। k

द ब्लू ट्रेन

दक्षिण अफ्रीका की मशहूर ब्लू ट्रेन प्रीटोरिया से केपटाउन के बीच 1600 किमी. की यात्रा तय करती है। सच कहें, तो यह ट्रेन पटरी पर दौड़ने वाले किसी होटल की मानिंद है। इसमें कई सूट्स भी हैं, जहां होटल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यात्रा बहुत लंबी नहीं है। करीब 27 घंटे की इस यात्रा के दौरान अफ्रीका के तस्वीर सरीखे कुदरती दृश्य आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रेन की गति कोई खास नहीं, मात्र 57 किमी. प्रति घंटे है, क्योंकि इसे होटल रूम सरीखे डिब्बों को जरा नजाकत से ही चलाना पड़ता है और यात्रियों की सुख-सुविधा का खयाल भी रखना पड़ता है। k

द कनाडियन ट्रेन

टोरंटो से वैंकुवर की यात्रा करवाने वाली यह ट्रेन जर्नी आपको 83 घंटे तक सैर कराती है। इस दौरान यह ट्रेन आपको कनाडा के विभिन्न मनोहर दृश्यों से भरी 4466 किमी. दूरी का अवलोकन करवाती है। ट्रेन की गति पहाड़ों की चढ़ाई में कभी मंद पड़ जाती है, तो हरे-भरे चित्ताकर्षक जंगलों से गुजरने के दौरान तेज भी हो जाती है। इस ट्रेन में कांच से बनी बड़ी-बड़ी खिड़कियों से तरह-तरह के दृश्यों को देखना वाकई रिलैक्सिंग और पीसफुल एक्सपीरियंस देता है। k

चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन

द चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन, दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन है। यह यीबू से मैड्रिड तक की 9977 किमी. की यात्रा करीब 21 दिनों में तय करती है। लेकिन यह कोई यात्री ट्रेन नहीं बल्कि मालगाड़ी है। k

अमल करने से ही बनेगी बात

स्मार्टफोन के स्क्रीन से हर पल प्रेरणादायक विचारों की बौछार होती रहती है। लोग इसमें रुचि भी खूब लेते हैं। लेकिन अगर आप स्वयं में सकारात्मक बदलाव देखना चाहते हैं तो सिर्फ मोटिवेशनल कंटेंट देखना नहीं, उस पर अमल भी करना होगा।

सेल्फ मोटिवेशन / चैतन्या

इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मोटिवेशनल वीडियो की भरमार है। ज्ञान फैलाने के लिए बाकायदा एप्स बने हुए हैं। मन-मस्तिष्क को मोटिवेशन देने वाले शब्द लिखित हों या मौखिक, किसी ना किसी रूप में हर पल सामने आते रहते हैं। जीवन को साधने वाले इस कंटेंट को यूजर्स द्वारा खूब देखा-सुना भी जाता है। बावजूद इसके व्यावहारिक धरातल पर जनमानस में इसका असर नहीं दिखता। आंतरिक या बाहरी शक्ति जगाने को सुने गए विचार आत्मसात नहीं किए जा रहे हैं। इनसे प्रेरणा पाकर जन-जीवन में बदलाव लाने के भावों को बल नहीं मिल रहा।

ज्ञान को जीवन में उतारना: भगवान दत्तात्रेय ने सिखाया है कि सच्चा ज्ञान कहीं से भी, कभी-भी प्राप्त किया जा सकता है, बस व्यक्ति की दृष्टि पवित्र और समझदार होनी चाहिए। उन्होंने स्वयं भी प्रकृति के तत्वों, पशुओं और विभिन्न व्यक्तियों, गुरुओं के रूप में ज्ञान प्राप्त किया। पृथ्वी से सहनशीलता, वायु से अनासक्ति और बालक से खुशी का ज्ञान लिया। भगवान दत्तात्रेय का यह सिद्धांत यही बताता है कि ज्ञान का कोई तयशुदा स्रोत नहीं होता। जिज्ञासु और विवेकशील इंसान अपने परिवेश के कण-कण से कोई सीख ले सकता है। हर घटना, हर प्राणी और प्रकृति के हर तत्व से जीवन के गूढ़ रहस्यों को सीख सकता है। असल में यूं ही जीवन से जुड़े विभिन्न स्रोतों से ज्ञान लेना भी चाहिए। परीक्षा तो इन पढ़े, जाने, सुने गए पाठों को जीवन में उतारने के मोर्चे पर होती है। सोशल मीडिया में दिखते मोटिवेशनल कंटेंट को व्यक्ति स्क्रीन स्क्रॉल करते ही भुला देता है। इनमें वह गुरुत्व शक्ति नहीं होती, जो गुणीजनों के सान्निध्य में मिलती है। तभी तो आत्म जागरुकता लाने वाले उद्धरण भी जानकारी, सूचना या कोई समाचार भर बनकर रह जाते हैं।

गुणीजनों का जीवन ही प्रेरणा: हमारे यहां सदा से ही ज्ञानी-गुणीजन जीवन संवारने के उपदेश देते रहे हैं। संसार को दिशा देने वाला ग्रंथ गीता भी श्रीकृष्ण के उपदेश ही लिए है। विचारणीय यह है कि गुणीजनों के विचार ही नहीं उनका जीवन भी प्रेरणादायी रहा है। जिसके चलते आमजन में उनकी कही बातों को आत्मसात करने का भाव रहा। उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता रही। अच्छे विचारों को व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में भी जिंदगी का हिस्सा बनाने का प्रयास रहा। इसकी वजह यह है कि गुरु बोलते भर नहीं, स्वयं अपनी जीवन पद्धति भी बदलते हैं। कहा भी जाता है कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान या उपदेश देकर नहीं, बल्कि अपने आचरण और जीवनशैली से शिष्यों के जीवन को दिशा और प्रेरणा देते हैं। स्पष्ट है कि इसी के चलते सिद्ध पुरुषों के विचार ही जीवन में फलित होते हैं। सोशल मीडिया पर तैरते मोटिवेशनल आख्यानों में प्रेरणा देने की बातें भर हैं। इन बातों को कहने-समझाने वालों का अपना जीवन लोगों को प्रभावित करने वाला नहीं है। इतना ही नहीं शेयर कर आगे बढ़ाने की तकनीकी सहूलियत से हर कोई यह ज्ञान किसी दूसरे व्यक्ति तक तो पहुंचा रहा है पर अपने कर्मों में नहीं उतार रहा। बहुत से इंफ्लुएंसर तो प्रेरणादायी शब्दों को अपनी मार्केटिंग माध्यम बना चुके हैं। वहीं आत्म-विकास हो या आंतरिक शांति गुरुओं का जीवन ही सहज ढंग से व्यक्ति को नैतिक मार्गदर्शन देता है। जीवन को संवारने की सच्ची शिक्षा ही नहीं मिलती, उन उपदेशों से मन को साधने में भी मदद मिलती है।

मोटिवेशनल वीडियो देखने की वजह: जिंदगी में मौजूद किसी भी समस्या से पार पाने, अपने लक्ष्य तक जाने या मन को शांत सहज रखने के लिए मोटिवेशनल वीडियो खूब देखे जा रहे हैं। जबकि असल जीवन में प्रेरणादायी बातों से मनःस्थिति बदलने की प्रतिबद्धता नहीं दिखती। बावजूद इसके सोशल मीडिया प्रेरक सामग्री से अटा पड़ा है। असल में इसके पीछे आनंद के सिद्धांत और डोपामाइन हार्मोन को बढ़ाने की प्रणाली एक अहम कारण है। ऐसा कंटेंट देखने से व्यक्ति को त्वरित संतुष्टि और एक भावनात्मक सहारा मिलता है।

अमल करना सबसे जरूरी: निःसंदेह, जीवन से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्यों को पाने के लिए आगे बढ़ने हेतु सही कार्य योजना जरूरी है। वर्चुअल स्क्रीन में झांकते रहने के बजाय वास्तविक जीवन में नियमित समय और ऊर्जा लगाकर ही अपने आप में बदलाव लाया जा सकता है। आध्यात्मिक उन्नति की जा सकती है। व्यक्तिगत जीवन के हर पक्ष पर संवर्धन किया जा सकता है। k

शर्ट-जैकेट्स, शर्ट और जैकेट का कॉम्बो होता है। इन दोनों की खूबियां मिलकर शर्ट-जैकेट्स बनाती हैं। इस सीजन में इनका ट्रेंड यंगस्टर्स में काफी बढ़ रहा है।

इन हल्की सर्दियों में युवाओं को भा रहीं शर्ट-जैकेट्स

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

शर्ट-जैकेट्स या जिसे फैशन की भाषा में शैकेट्स भी कहा जाता है, इस साल की हल्की सर्दियों में युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। ना सिर्फ स्टाइल के कारण बल्कि इनके आरामदायक, वर्सेटिलिटी और मॉडर्न लुक की वजह से भी ऐसा हुआ है।

क्या होती है शर्ट जैकेट: शर्ट-जैकेट्स, दिखती तो शर्ट जैसी हैं, लेकिन इनका फैब्रिक मोटा होता है और ये हल्की सर्दियों में गर्माहट देकर जैकेट का भी काम करती हैं। इसलिए इन्हें शर्ट-जैकेट्स कहा जाता है। इन्हें पहनने के लिए जरूरी नहीं है कि मौसम बहुत ठंडा ही हो। अगर हल्की हवा चल रही हो तो भी इन्हें आराम से पहना जा सकता है।

इनकी खासियतें: शर्ट-जैकेट्स ट्विल, डेनिम, वूलेन फ्लैनल, कॉटन ब्लेंड या कॉर्डराय से बनती हैं। इनकी डिजाइन बेहद आकर्षक होती है, जिनमें आगे बटन, दो या चार पॉकेट और किसी में खड़ी तो कई में गिरी कॉलर होती हैं यानी दिखने में ये बिल्कुल शर्ट जैसी लगती हैं, लेकिन शर्ट के मुकाबले थोड़ी मोटी होती हैं। हालांकि इनका वजन कड़ाके की सर्दियों में पहनी जाने वाली जैकेट्स के मुकाबले काफी कम होता है। फिर भी ये शर्ट के मुकाबले वजनदार होती हैं। ट्रांजिशन वेदर यानी जब न तो ज्यादा सर्दी होती है और न ज्यादा गर्मी, कहने का मतलब पूरी तरह से बारिश के बाद की गर्माहट का मौसम गया नहीं होता और पूरी तरह से सर्दियां आई नहीं होतीं, इस दौरान इन्हें पहनना सबसे सही लगता है। क्योंकि ऐसे मौसम में जब हल्की ठंड पड़ रही हो, ये बिल्कुल परफेक्ट च्वॉइस होती हैं। इन्हें अंदर टी-शर्ट के रूप में भी पहना जा सकता है। कई बार खुले या बंद दोनों तरीकों से इन शर्ट-जैकेट्स को कैरी किया जा सकता है।

युवाओं को क्यों हैं इतनी पसंद: शर्ट-जैकेट्स युवाओं को बेहद पसंद आती हैं। वास्तव में इन दिनों कपड़ों में लेयरिंग ट्रेंड में है यानी, कई परतों में ड्रेस पहनकर अलग-अलग लुक बनाना। शर्ट-जैकेट्स इस लेयरिंग फिनोमिना की स्टार आइटम है। इसे आराम और स्टाइल के साझे कॉम्बिनेशन के रूप में भी देखा और जाना जाता है। यह न तो पूरी तरह से फॉर्मल है और न ही पूरी तरह से कैजुअल बल्कि इसके लिए जो शब्द ज्यादा प्रचलित है, वह है-स्मार्ट कैजुअल। इसलिए ये युवाओं को विशेष रूप से पसंद आती हैं, क्योंकि उनकी बॉडी में ये एक परफेक्ट बैलेंस बनाती हैं। लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी की वजह सिर्फ यही नहीं है, इसे पॉपुलर बनाने में सोशल मीडिया का भी बड़ा हाथ है। वास्तव में इंस्टाग्राम, पिंट्रेस्ट और यू-ट्यूब पर फैशन इंफ्लुएंसर लगातार इन्हें प्रमोट कर रहे हैं, जिससे युवाओं में इनकी डिमांड काफी बढ़ गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये शर्ट-जैकेट्स, युवक ही नहीं युवतियों के बीच भी खूब लोकप्रिय हैं, क्योंकि इन्हें दोनों ही बड़े आराम से पहन सकते हैं। ये दोनों की बॉडी पर खूब फबती हैं। शर्ट-जैकेट्स पहनने का एक फायदा यह भी है कि इसके कारण बहुत कम कपड़ों पर भी एक कंप्लीट आउटफिट तैयार हो जाता है। बस एक बेसिक टी-शर्ट, डेनिम और ये शर्ट जैकेट्स, बस समझिए पूरा आउटफिट तैयार हो गया।

इस साल है इसका ट्रेंड: इन दिनों यह फैशन या ट्रेंडिंग स्टाइल में इसलिए है, क्योंकि इस साल पुरुषों द्वारा डेनिम और फ्लैनल चेक्ड शर्ट-जैकेट्स को खासतौर पर पसंद किया जा रहा है। अपने नए लुक, स्मार्ट डिजाइन और कलर कॉम्बिनेशन के कारण ये यंगस्टर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं तो लड़कियों में भी कुछ खास कलर्स की शर्ट-जैकेट्स इस साल खूब फैशन में हैं, जिनमें पेस्टल टोन कलर सबसे खास है। साथ ही लड़कियों में इनका ओवरसाइज्ड डिजाइन भी खूब हिट है। चूंकि यह एक यूनिसेक्स फैशन है, इसलिए शर्ट-जैकेट्स को खूब सारे न्यूट्रल कलर्स में भी देखा जाता है जैसे- बेज, ऑलिव, ब्लश पिंक और ग्रे।

कुल मिलाकर शर्ट-जैकेट्स इन दिनों युवाओं के बीच इसलिए भी खूब फैशन में हैं, क्योंकि ये सिर्फ एक ड्रेस भर नहीं हैं बल्कि लाइफस्टाइल का सिंबल बन गए हैं। कम लेयरिंग, ज्यादा स्टाइल और हर मौके पर फिट रहने वाली शर्ट-जैकेट्स आज यंगस्टर्स के बीच पहली पसंद बनी हुई हैं। जहां तक इसके स्टाइल कॉम्बिनेशन की बात है तो शर्ट-जैकेट्स में स्टाइलिश लुक के लिए इसे बेसिक टी-शर्ट या टर्टलनेक के ऊपर पहनते हैं। साथ ही लोअर में डेनिम, चिनो या स्कर्ट पर भी यह बहुत आसानी से मैच कर जाती है। स्कार्फ या कैप के साथ भी इसे कैरी करना अटपटा नहीं बल्कि आकर्षक लगता है। जहां तक फुटवियर्स की बात है तो स्नीकर्स या लोफर इसके साथ अच्छे लगते हैं। k

जिस दौर में कई सुपर स्टार्स बॉलीवुड में एक्टिव थे, उस समय में भी संजीव कुमार ने अपने एक्टिंग टैलेंट से अलग पहचान बनाई। संजीव कुमार की पुण्य तिथि 6 नवंबर पर उनके द्वारा निभाए कुछ यादगार किरदारों पर एक नजर।

हर रोल निभाने में परफेक्ट वर्सटाइल एक्टर संजीव कुमार

यादें
मनोज प्रकाश

सुपर स्टार का ग्लैमर, हिट कराने का तमगा और स्लिम-ट्रिम फिगर अगर किसी हीरो की इमेज को एक डेकोरम देता है, तो किसी भी भूमिका को परफेक्ट तरीके से करना भी किसी फिल्म को हिट कराने की गारंटी हो सकती है। यह बात सिद्ध की थी संजीव कुमार ने। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे कोई रोल निभाते नहीं, उसे पूरी तरह जीते थे। जिस तरह हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज में दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, देवानंद, राजकपूर को बेहतरीन अभिनेता माना जाता है, उसी श्रेणी में संजीव कुमार का नाम भी बड़े सम्मान से लिया जाता है।

'आंधी' में सुचित्रा सेन के साथ संजीव कुमार

हर तरह की भूमिकाएं निभाईं : 9 जुलाई 1938 को गुजरात प्रांत में जन्मे, संजीव कुमार ने जितनी भी फिल्में की सभी में उनके डायलॉग से अधिक उनकी आंखें और मुस्कुराहट ने अभिनय किया। संजीव कुमार हिंदी फिल्मों के ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने हर तरह की भूमिकाएं कीं। यहां तक कि उन्होंने एक ही फिल्म में एक साथ नौ भूमिकाएं निभाकर एक ऐसा कमाल किया, जो 'भूतो न भविष्यति' है। उनके किरदार ऐसे हुआ करते थे, जिन्हें भुला पाना संभव ही नहीं है। 'शोले' और 'आंधी' उनकी दो ऐसी फिल्में रहीं, जिनको भारतीय सिनेमा में मील का पत्थर माना जाता है।

'शोले' में ठाकुर का यादगार किरदार: 'शोले' में संजीव कुमार ने पहले जेलर और फिर ठाकुर बलदेव सिंह का रोल बखूबी निभाया। पूरे परिवार को डकैत गब्बर सिंह द्वारा खत्म कर दिए जाने और उनके दोनों हाथ काट दिए जाने के बाद भी ठाकुर बलदेव सिंह ने जिस तरह से अपना प्रतिशोध लिया, उसने आने वाली फिल्मों के लिए एक मानक बना दिया।

हर किरदार में अलग रंग: फिल्म 'आंधी' में संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए होटल मैनेजर जेके का रोल आज भी दर्शक याद करते हैं। उस फिल्म में उन्होंने एक बेबस पति लेकिन समर्पित प्रेमी के रोल में अभिनय की पराकाष्ठा को छुआ था। जहां तक उनके अभिनय में मौजूद वर्सेटिलिटी की बात है तो 'खिलौना' में विजय, 'अनामिका' में देवेंद्र, 'सच्चाई' में किशोर, 'बचपन' में काशीराम, 'नमकीन' में गेरूलाल, 'राजा और रंक' में विजय और सुधीर, 'कोशिश' में हरिचरण, 'अंगूर' में अशोक और 'वक्त की दीवार' में विक्रम के किरदार ऐसे हैं, जिनसे उनकी प्रतिभा का लोहा सभी ने माना। 'उलझन' में उन्होंने सुलक्षणा पंडित के साथ एक ईमानदार अफसर और पति के रूप में फंसे व्यक्ति के द्वंद्व को बेहतरीन तरीके से निभाया। फिल्म 'नया दिन नई रात' में नौ किरदार निभाना और सभी को उसकी धारा में बहाते ले जाना, संजीव कुमार के बस की ही बात थी। उनसे पहले और उनके बाद आज तक किसी ने नौ रोल नहीं निभाए हैं।

ये भी रहे यादगार किरदार: संजीव कुमार को फिल्म 'दस्तक' के लिए हामिद का गंभीर किरदार निभाने हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके उलट 'पति, पत्नी और वो' में तो उन्होंने हंसा-हंसाकर लोगों को लोटपोट कर दिया था। पत्नी की बीमारी की आड़ में सेकेट्री से प्रेम राग आलापना और पत्नी को समझाना, उस दौर में एक ऐसी कहावत बन गया था कि लोग रियल लाइफ में ऐसे किसी मामले में आपस में एक-दूसरे को कह देते थे-संजीव कुमार बन रहे हो? संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों में 'मौसम' के डॉक्टर अमरनाथ को कैसे भूला जा सकता है? इस फिल्म में उनका डबल रोल, शर्मिला टैगोर के रोल से किसी तरह से कमतर नहीं रहा। इसी तरह फिल्म 'त्रिशूल' तो अमिताभ की कही जाती है, लेकिन इसमें संजीव कुमार ने एक ऐसे व्यापारी का रोल प्ले किया, जो अंजाने में ही अपने बेटे से व्यापारिक संघर्ष कर रहा होता है और उसे पता ही नहीं चलता। इसमें पिता-पुत्र के संवाद, दो प्रतिद्वंद्वी व्यापारियों की उस लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें वे अपनी जीत के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं।

'त्रिशूल' में अमिताभ के पिता के किरदार में संजीव कुमार

उन पर फिल्माए गाने भी हुए हिट: संजीव कुमार पर फिल्माए गाने भी सुपरहिट रहे। 'अनोखी रात' का गीत 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में', 'खिलौना' का 'खिलौना जानकर तुम तो', 'सीता और गीता' का 'हवा के साथ-साथ, घटा के संग-संग', 'अनामिका' का 'मेरी भीगी-भीगी सी पलकों पे', 'आंधी' का 'तुम आ गए हो, नूर आ गया है', 'मौसम' का 'दिल ढूंढता है फिर वहीं फुर्सत के रात-दिन' और 'सिलसिला' का 'रंग बरसे', हर दौर के हिट गानों की श्रेणी में गिने जाते हैं।

अधूरी रही प्रेम की दास्तान: संजीव कुमार ने जिस तरह से फिल्मों में अपना परचम लहराया, उसी तरह से उनके प्रेम के चर्चे भी खूब सुने जाते रहे। हेमा मालिनी के साथ के किस्से तो सर्वाधिक चर्चित रहे ही हैं। सुलक्षणा पंडित के साथ भी उनकी जोड़ी चर्चित रही पर वह भी अपने मुकाम पर पहुंचने से रह गई। खुद के बारे में की गई अपनी ही भविष्यवाणी को सच साबित करते हुए जीवन के पचास बसंत पूर्ण करने से पहले ही 6 नवंबर 1985 को अनंत आकाश में हमेशा-हमेशा के लिए विलीन हो गए। k